मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 10 अंक 17
बुधवार, 22 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पीएम आवास के बाहर धरने पर बैठे कांग्रेसी नेताओं ने केंद्र सरकार के सामने रखीं ये 5 बड़ी मांगें

नई दिल्ली, 21 जुलाई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कई अन्य नेता छात्रों के खिलाफ पुलिस के बल प्रयोग के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठ गए। प्रधानमंत्री के आवास '7 लोक कल्याण मार्ग' के निकट धरने पर बैठे कांग्रेस नेताओं ने यहां 'प्रधानमंत्री इस्तीफा दो' के नारे लगाए।

केंद्र के सामने रखी ये 5 बड़ी मांगें: प्रदर्शन के दौरान हिंसा की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की। गृहमंत्री का दोनों सदनों में बयान। सदन में इस मामले की डिटेल पर चर्चा होनी चाहिए। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग रखी। छात्रों के मुद्दे को सुने जाने की बात कही।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने की खरगे से मुलाकात धरना स्थल पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह पहुंचे हैं। यहां पर वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बातचीत कर उन्हें प्रदर्शन रोकने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

इससे पहले, राहुल गांधी ने कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को माफी मांगनी चाहिए और पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से यह भी कहा कि छात्रों की पिटाई के लिए गृह मंत्री अमित शाह को भी त्यागपत्र देना चाहिए। प्रियंका गांधी ने कहा, "हम सदन में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन विपक्ष को बात करने नहीं दिया जाता। ये सदन उन्हीं युवाओं का है जिन पर सरकार लाठी चला रही है, आंसू गैस के गोले छोड़ रही है। बच्चों की बात सुनी जाए और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लिया जाए।" कांग्रेस के दोनों प्रमुख नेताओं ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचकर घायल छात्रों से मुलाकात भी की।

हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने राहुल-प्रियंका को रिहा किया

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लेने के कुछ समय बाद रिहा कर दिया है। राहुल गांधी को हिरासत के बाद दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम ले जाया गया था, जहां से वह अब रवाना हो चुके हैं। इससे पहले प्रियंका गांधी को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया गया था। यहां उनसे मिलने उनकी मां सोनिया गांधी भी पहुंची थीं। बता दें राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और सांसदों ने छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। प्रदर्शन के दौरान विपक्ष ने सरकार पर छात्रों के हितों की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया।

सीजेपी के सैंकड़ों समर्थक रिहा, दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर प्रस्तावित धरना किया स्थगित

नई दिल्ली, 21 जुलाई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर प्रस्तावित धरने को स्थगित कर दिया। पार्टी ने दावा किया कि संसद चलो मार्च के दौरान हिरासत में लिए गए सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा कर दिया गया है। इससे पहले सीजेपी ने सैकड़ों समर्थकों के हिरासत में होने और उन्हें वकीलों से मिलने की अनुमति न दिए जाने का आरोप लगाते हुए यह धरना आयोजित करने की घोषणा की थी। पार्टी ने शाम 8 बजे दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना देने का ऐलान किया था। सीजेपी का आरोप था कि मार्च के दौरान सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है और उन्हें वकीलों से मुलाकात की अनुमति नहीं दी जा रही है। इस आरोप को दिल्ली पुलिस ने सिरे से खारिज कर दिया था।

सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया, हमारे वकीलों ने अभी-अभी सूचित किया है कि सभी हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा कर दिया गया है। इसलिए दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना स्थगित किया जा रहा है। सभी से शांति बनाए रखने की अपील की जाती है। दिल्ली पुलिस ने इस पूरे मामले पर साफ किया कि कोई भी व्यक्ति हिरासत में नहीं है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी भ्रामक खबरें न फैलाएं। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया, सोशल मीडिया पर हिरासत और वकीलों से मिलने की अनुमति न दिए जाने संबंधी दावे गलत और भ्रामक हैं। स्पष्ट किया जाता है कि फिलहाल कोई भी व्यक्ति हिरासत में नहीं है। कृपया अपुष्ट सामग्री साझा या प्रसारित न करें।

देहरादून में 3 घंटे की आफत: 45 मिमी मूसलधार बारिश से 'तालाब' बना शहर, घरों में घुसा पानी

देहरादून, 21 जुलाई। राजधानी देहरादून में मंगलवार रात हुई झमाझम बारिश ने एक बार फिर शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी।

रात करीब पौने आठ बजे शुरू हुई तेज बारिश देर रात तक जारी है। करीब तीन घंटे में लगभग 45 मिमी वर्षा दर्ज होने से शहर के कई हिस्से जलमग्न हो गए।

प्रमुख सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं और कई इलाकों में लोगों को घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा।

दिनभर आंशिक बादल छाए रहने के बाद दोपहर में तेज बारिश हुई और शाम को कुछ देर के लिए धूप निकलने से लोगों ने राहत महसूस की।

लेकिन, रात होते-होते मौसम ने अचानक करवट ली और मूसलधार बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी।

बारिश के कारण शहर के प्रमुख चौराहों और मुख्य मार्गों पर भारी जलभराव हो गया। नालियां ओवरफ्लो होने लगीं, जिससे पानी सड़कों पर फैल गया। कई निचले इलाकों और रिहायशी बस्तियों में पानी घरों के भीतर तक पहुंच गया। वाहन चालकों को जलभराव के बीच आवाजाही करनी पड़ी, जबकि कई दोपहिया वाहन बीच रास्ते में बंद हो गए। लंबे समय तक यातायात भी प्रभावित रहा।

लगातार बारिश से रिस्पना, बिंदाल सहित अन्य नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई।

16 साल बाद ललित मोदी और BCCI को मिली बहुत बड़ी राहत, ईडी के आरोपों को कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली, 21 जुलाई। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) को ट्रिब्यूनल कोर्ट ने 16 साल पुराने मामले में बड़ी राहत दी है। ये मामला साल 2009 से जुड़ा हुआ है, जब आईपीएल को भारत की बजाय साउथ अफ्रीका में कराया गया था। उस समय भारत में लोकसभा चुनाव थे, जिसकी वजह से लीग को साउथ अफ्रीका में शिफ्ट कर दिया गया था।

आईपीएल 2009 को आयोजित करने के लिए बीसीसीआई और उसके अधिकारियों पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगा थाष इसमें बीसीसीआई, ललित मोदी और एन. श्रीनिवासन भी शामिल थे। अब इसी मामले से जुड़े कुछ मुद्दों पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है और सभी को राहत मिली है। कोर्ट ने ईडी की सभी दलीलों को नहीं माना है लेकिन कुछ मुद्दों पर अभी भी जुमार्ना बरकरार रखा है।

2009 में लोकसभा चुनावों के कारण आईपीएल को भारत से दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट करना पड़ा था। उस समय विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के कथित उल्लंघन के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय ने बीसीसीआई, ललित मोदी, एन श्रीनिवासन और अन्य अधिकारियों पर करोड़ों रुपये का जुमार्ना लगाया था। ईडी का कहना था कि टूनार्मेंट आयोजित करने के लिए विदेश में पैसे भेजने में नियमों का पालन नहीं किया गया। यह आदेश मई 2018 का था, जिसके खिलाफ अपील दायर की गई थी।

SAFEMA के तहत बने अपीलीय ट्रिब्यूनल ने एऊ के ज्यादातर आरोपों और जुमार्नों को रद कर दिया। ट्रिब्यूनल की बेंच ने अपीलों को आंशिक रूप से मंजूर किया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि अधिकतर लेन-देन सामान्य थे और FEMA उल्लंघन नहीं माने जा सकते। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और उसके अधिकारी को भी इससे मुक्त कर दिया गया क्योंकि उन्होंने सामान्य प्रक्रिया से रेमिटेंस प्रोसेस किए थे।

ललित मोदी पर देरी से पैसे वापस लाने के आरोप को खारिज कर दिया गया। ट्रिब्यूनल ने ध्यान दिया कि जब पैसे भारत वापस आए, तब मोदी पहले ही सस्पेंड हो चुके थे और उनकी जिम्मेदारी नहीं थी। राजस्व को वापस न लाने के आरोप को भी रद किया गया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि ईडी ने बीसीसीआई और क्रिकेट साउथ अफ्रीका के बीच समझौते की शर्तों को नजरअंदाज किया था।

ट्रिब्यूनल ने पूरी तरह राहत नहीं दी। दो सीमित मुद्दों पर ईडी के फैसले को सही माना। इसमें अधिक रकम भेजना और टिकट बिक्री के पैसों में देरी शामिल है। बीसीसीआई ने अपने हिसाब-किताब में दिखाई गई राशि से ज्यादा पैसा विदेश भेजा। इसके लिए 4 करोड़ रुपये का जुमार्ना बरकरार रखा गया। इसके अलावा पैसे भारत वापस लाने में देरी हुई थी। मूल 4 करोड़ रुपये के जुमार्ने को घटाकर 1 करोड़ रुपये कर दिया गया क्योंकि पैसे अंत में वापस आ गए थे।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन का राहुल गांधी पर तीखा हमला

नई दिल्ली, 21 जुलाई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उनके हालिया व्यवहार को 'अशोभनीय' और 'निंदनीय' करार दिया है। नवीन ने कहा कि राहुल गांधी जिस गरिमापूर्ण पद (नेता प्रतिपक्ष) पर बैठे हैं, उसे वे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जो उनके व्यवहार में साफ झलकता है।

नितिन नवीन ने लोकतंत्र में मयार्दा का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि विरोध और अराजकता दो अलग-अलग शब्द हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब विरोध अपनी मयार्दा की सीमाओं को पार कर जाता है, तो वह अराजकता का रूप ले लेता है और वर्तमान में राहुल गांधी इसी अराजकता के प्रतीक बन चुके हैं।

संसदीय गरिमा का हवाला देते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कुछ संवैधानिक पद किसी विशेष पार्टी के नहीं होते। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री केवल एक दल के नेता नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के चुने हुए प्रतिनिधि हैं और पूरा देश उन्हें अपनी आस्था और विश्वास का केंद्र मानता है।

प्रधानमंत्री आवास पर विरोध प्रदर्शन के प्रयास को आड़े हाथों लेते हुए नवीन ने कहा कि राहुल गांधी का यह कृत्य स्पष्ट संदेश देता है कि वे अब 'विरोध की राजनीति' नहीं बल्कि 'अराजकतावादी राजनीति' के परिचायक बनते जा रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी को उनके पद की जिम्मेदारी और गंभीरता को समझने की नसीहत भी दी।

जरूरत पड़ी तो मैं दिल्ली जाऊँगी, सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने का ममता ने दिया संकेत

कोलकता, 21 जुलाई। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह दिल्ली जाएंगी और 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगी। साथ ही, उन्होंने BJP के खिलाफ विपक्ष की एकजुटता का भी आह्वान किया। कोलकाता में TMC की 'शहीद दिवस' रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, हमने शुरू से ही CJP का समर्थन किया है। अगर जरूरत पड़ी, तो मैं दिल्ली जाऊंगी और उनके विरोध प्रदर्शन में शामिल होऊंगी।

दिल्ली में सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन का ज़िक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी गाड़ी मोड़ ली। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार ने तानाशाही की सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने कहा लोग बीजेपी के अत्याचारों को समझ सकते हैं। इसने हिटलर और स्टालिन को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने आगे कहा कि यह लड़ाई लोकतंत्र को बचाने का आंदोलन है।

बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी ने टीएमसी के 'शहीद दिवस' कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की और दावा किया कि सोमवार रात बंदूकें लिए हुए करीब 600 बाइक सवार 'शहीद दिवस' के मंच को नष्ट करने आए थे। उन्होंने कहा कल रात मैंने, अभिषेक और अन्य नेताओं ने बीजेपी के लगातार हमलों से 'शहीद दिवस' के मंच की सुरक्षा की।

लेकिन कई बार पुलिस को सूचित करने के बाद भी हमें कोई मदद नहीं मिली। हम समझ सकते हैं कि इसके पीछे किसका हाथ है।

राष्ट्रीय ध्वजः राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी राष्ट्र का सबसे गौरवपूर्ण प्रतीक होता है। वह केवल रंगों से सजा हुआ एक वस्त्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सामूहिक चेतना, उनके संघर्ष, उनके बलिदान, उनकी संस्कृति और उनके भविष्य के सपनों का सजीव स्वरूप होता है। जब कोई राष्ट्र अपने ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराता है, तब वह केवल एक झंडा नहीं लहराता, बल्कि अपने इतिहास, अपने स्वाभिमान और अपनी राष्ट्रीय अस्मिता को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित करता है। भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण यह है कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। यह दिवस हमें अपने राष्ट्रीय गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और ध्वज रूपी प्रतीक-जैसे साहस, शांति और समृद्धि की याद दिलाता है। भारत का तिरंगा भी इसी गौरव, त्याग, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक लहराती हुई धारा स्वतंत्रता संग्राम के उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों की स्मृति को जीवित करती है, जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर इस ध्वज को सम्मान दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की महान परंपरा का प्रतिनिधि है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला विशाल देश है, लेकिन जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो सारी विविधताएं एक राष्ट्रीय पहचान में समाहित हो जाती हैं। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। वह हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी व्यक्तिगत पहचान से ऊपर हमारी राष्ट्रीय पहचान है और राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्रीय ध्वज का महत्व केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक के जीवन में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यबोध का संस्कार जगाने वाला प्रेरणा-स्रोत है। विद्यालयों में ध्वजारोहण, सेना के शिविरों में तिरंगे को सलामी, खिलाड़ियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगे के साथ विजय-उत्सव तथा वैज्ञानिकों द्वारा अंतरिक्ष अभियानों में राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन-ये सभी दृश्य हमें यह अनुभव कराते हैं कि ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की जीवंत अभिव्यक्ति है। भारतीय तिरंगे का प्रत्येक रंग अपने भीतर एक गहन संदेश समेटे हुए है। केसरिया रंग हमें त्याग, साहस और निस्वार्थ नेतृत्व की प्रेरणा देता है। यह बताता है कि राष्ट्र के निर्माण में व्यक्तिगत स्वार्थों का नहीं, बल्कि समर्पण और बलिदान का महत्व है। सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का प्रतीक है। यह हमें जीवन और शासन दोनों में नैतिकता तथा सद्भाव बनाए रखने का संदेश देता है। हरा रंग समृद्धि, प्रकृति, कृषि और विकास का प्रतीक है, जो भारत की जीवनदायिनी धरती और उसके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता, न्याय, धर्म और सतत प्रगति का संदेश देता है। यह हमें याद दिलाता है कि ठहराव मृत्यु है और निरंतर आगे बढ़ना ही जीवन का नियम है। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वह केवल वर्तमान पीढ़ी का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय चेतना का आधार है। यदि किसी समाज में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान कम होने लगे, तो धीरे-धीरे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व भी कमजोर होने लगते हैं। राष्ट्र पहले भावनाओं से जुड़ता है, बाद में व्यवस्थाओं से। राष्ट्रीय ध्वज उन्हीं भावनाओं का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। दुर्भाग्य की बात है कि समय-समय पर कुछ सामाजिक और राजनीतिक तत्व अपने तात्कालिक स्वार्थों, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या वैचारिक कटुता के कारण राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बना देते हैं। कभी राष्ट्रीय ध्वज को राजनीतिक मंचों पर अनावश्यक विवादों में घसीटा जाता है, कभी उसकी गरिमा को कम करने वाले वक्तव्य दिए जाते हैं और कभी उसे केवल दलगत दृष्टि से देखने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल, सरकार या विचारधारा के नहीं होते, वे पूरे राष्ट्र की साझा धरोहर होते हैं। सरकारें बदलती रहती हैं, राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज सदैव राष्ट्र की स्थायी पहचान बना रहता है।

जब राष्ट्रीय प्रतीकों का उपयोग राजनीतिक लाभ या विरोध का माध्यम बन जाता है, तब सबसे अधिक क्षति राष्ट्र की सामूहिक चेतना को होती है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना नागरिक का अधिकार है, नीतियों पर प्रश्न उठाना स्वस्थ परंपरा है, किंतु राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, संविधान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बनाना लोकतांत्रिक मयार्दाओं के विपरीत है। राजनीतिक मतभेद राष्ट्रभक्ति के स्थान पर नहीं आ सकते। राष्ट्र से ऊपर कोई दल, कोई नेता और कोई विचारधारा नहीं हो सकती। कुछ लोग यह भूल जाते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज पर आक्षेप वास्तव में उन लाखों बलिदानों का अनादर है, जिनके कारण यह ध्वज आज स्वतंत्र आकाश में लहरा रहा है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, रानी लक्ष्मीबाई और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष किसी दल के लिए नहीं, बल्कि इसी तिरंगे के सम्मान के लिए था। इसलिए राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना केवल संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि ऐतिहासिक उत्तरदायित्व भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान केवल औपचारिक अवसरों तक सीमित न रहे। यह हमारे व्यवहार, विचार और सार्वजनिक जीवन का स्थायी संस्कार बने। विद्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास और उसके मूल्यों का समुचित अध्ययन कराया जाए। युवाओं को यह बताया जाए कि तिरंगा केवल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का स्मरण कराने वाला प्रेरक ध्वज है। सामाजिक संगठनों, सांस्कृतिक संस्थाओं और मीडिया को भी इस दिशा में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। आज डिजिटल युग में भी राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर उसकी गरिमा बनाए रखना, उसके उपयोग में संवैधानिक मयार्दाओं का पालन करना और राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक प्रचार का साधन न बनने देना हम सभी का दायित्व है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा उसी जिम्मेदारी का सर्वोच्च स्वरूप है। राष्ट्रीय ध्वज हमें यह भी सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रप्रेम केवल नारों में नहीं, बल्कि आचरण में दिखाई देता है। ईमानदारी से अपना कार्य करना, कानून का पालन करना, सामाजिक सौहार्द बनाए रखना, पर्यावरण की रक्षा करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहना और राष्ट्रहित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना-ये सभी तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हैं। केवल ध्वज फहराना पर्याप्त नहीं, उसके आदर्शों को जीवन में उतारना अधिक आवश्यक है।

भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, खेल, अर्थव्यवस्था और कूटनीति के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां तिरंगे की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर रही हैं। जब भारतीय वैज्ञानिक चंद्रमा पर सफलता का इतिहास रचते हैं, जब कोई खिलाड़ी ओलंपिक में तिरंगा लहराता है, जब सेना का जवान सीमा पर तिरंगे की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देता है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि राष्ट्रीय ध्वज केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशाओं, आकांक्षाओं और आत्मगौरव का अमर प्रतीक है। अंततः राष्ट्रीय ध्वज हमारी राष्ट्रीय आत्मा का दृश्य रूप है। वह हमें जोड़ता है, प्रेरित करता है और यह विश्वास दिलाता है कि मतभेदों के बावजूद हम एक हैं। उसकी गरिमा की रक्षा करना केवल सरकार का नहीं, प्रत्येक नागरिक का नैतिक और राष्ट्रीय दायित्व है। जिस दिन प्रत्येक भारतीय यह समझ लेगा कि तिरंगे का सम्मान वास्तव में अपने राष्ट्र, अपने इतिहास और अपने भविष्य का सम्मान है, उस दिन राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक चेतना की जड़ें और अधिक सुदृढ़ होंगी। तिरंगा हमारी आन है, हमारी बान है, हमारी शान है और हमारे अमर राष्ट्रीय स्वाभिमान का सर्वोच्च प्रतीक है। इसकी प्रतिष्ठा में ही भारत की प्रतिष्ठा निहित है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ क्यों लामबंद हुए किसान

अशोक भाटिया

किसानों द्वारा दिल्ली के किसान घाट पर महापंचायत का ऐलान किया गया है। इससे पहले दिल्ली, जालंधर और जम्मू नेशनल हाईवे को पूरी तरह से सील कर दिया गया है. शंभू बॉडर पर किसानों को दिल्ली कूच करने से रोका गया है । यहां भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है. पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत देश के अन्य कई राज्यों से जुड़े किसान और सामाजिक संगठनों ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में महापंचायत बुलाई गई है । किसान नेताओं ने अलग-अलग जगहों से दिल्ली कूच कर रहे किसानों को रोके जाने का विरोध किया है व विवाद बढ़ता ही जा रहा है ।

गौरतलब है कि इस पूरे विवाद की जड़ में दोनों देशों की कृषि संरचना का बुनियादी और जमीन-आसमान का अंतर है। अमेरिका में कृषि कोई जीवन जीने का तरीका नहीं, बल्कि एक विशाल कॉरपोरेट उद्योग है। वहाँ औसतन एक किसान के पास सैकड़ों या हजारों एकड़ जमीन होती है, जहाँ अत्याधुनिक तकनीक, जीएम फसलों और भारी-भरकम मशीनों से खेती की जाती है। इसके विपरीत, भारत की हकीकत बिल्कुल जुदा है। भारत में लगभग 80 से 85 प्रतिशत किसान 'छोटे और सीमांत' वर्ग में आते हैं, जिनके पास दो से ढाई एकड़ या उससे भी कम जमीन है। भारतीय किसान के लिए खेती केवल व्यापार नहीं, बल्कि उसके परिवार के पेट भरने और जिंदा रहने का एकमात्र जरिया है। जब भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजारों के दरवाजे पूरी तरह खोले जाएंगे, तो यह मुकाबला दो बराबरी के खिलाड़ियों के बीच नहीं, बल्कि एक महाबली और एक बेहद कमजोर इंसान के बीच होगा। भारतीय सीमांत किसान किसी भी कीमत पर अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कृषि कंपनियों के उत्पादन पैमाने और उनकी आक्रामक मूल्य निर्धारण नीति का सामना नहीं कर पाएगा। नतीजा यह होगा कि घरेलू बाजार में भारतीय किसानों की फसलों को कोई खरीदार नहीं मिलेगा।

अमेरिकी सरकार अपने देश के कॉरपोरेट फार्मिंग सेक्टर को हर साल अरबों डॉलर की प्रत्यक्ष और परोक्ष सब्सिडी देती है। विश्व व्यापार संगठन के मंचों पर अमेरिका अक्सर विकासशील देशों की न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी जीवन रक्षक प्रणालियों पर सवाल उठाता है, लेकिन खुद अपने अमीर किसानों को 'ग्रीन बॉक्स' और अन्य श्रेणियों के तहत भारी वित्तीय मदद देता है। इस भारी सब्सिडी के कारण अमेरिकी कृषि उत्पादों (जैसे मक्का, सोयाबीन, कपास और पोल्ट्री उत्पाद) की उत्पादन लागत बेहद कम हो जाती है। यदि बिना किसी ठोस टैरिफ के इन उत्पादों को भारतीय बाजारों में डंप करने की अनुमति मिल जाती है, तो भारतीय मंडियों में हाहाकार मच जाएगा। भारत का किसान जो फसल भारी लागत, महंगे डीजल, महंगे बीज और खाद के जरिए पैदा करता है, अमेरिकी सब्सिडी वाले उत्पाद उससे आधी कीमत पर उपलब्ध होने लगेंगे। यह भारतीय खेती की रीढ़ तोड़ने जैसा होगा। यह मुक्त व्यापार नहीं, बल्कि एक ऐसी अनुचित प्रतिस्पर्धा है जो भारतीय किसानों को उनकी ही जमीन पर पराया और दिवालिया बना देगी।

इस ट्रेड डील का सबसे संवेदनशील और खतरनाक पहलू भारत का डेयरी और पोल्ट्री क्षेत्र है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, और खास बात यह है कि यह श्वेत क्रांति किसी बड़े कॉरपोरेट घराने ने नहीं, बल्कि देश की करोड़ों ग्रामीण महिलाओं और छोटे पशुपालकों ने अपने एक या दो मवेशियों के दम पर खड़ी की है। डेयरी उद्योग भारत के ग्रामीण परिवारों के लिए संकट के समय एटीएम की तरह काम करता है, जो उन्हें सूखा या फसल बर्बादी के वक्त भी नकदी की गारंटी देता है। अमेरिका लंबे समय से भारत पर दबाव बना रहा है कि वह अपने डेयरी बाजार को अमेरिकी कंपनियों के लिए खोले। अमेरिकी डेयरी उद्योग पूरी तरह मशीनीकृत और औद्योगिक स्तर पर संचालित होता है। इसके अलावा, वहाँ पशुओं को दिए जाने वाले चारे और हार्मोन को लेकर जो नियम हैं, वे भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत हैं। अमेरिका में गायों को 'ब्लड मील' (रक्त और मांस से बना चारा) दिया जाता है, जिसे भारतीय समाज और यहाँ के किसान स्वीकार नहीं कर सकते। यदि अमेरिकी डेयरी उत्पाद, जैसे कि सस्ता मिल्क पाउडर, चीज और मट्ठा भारतीय बाजार में आ गए, तो देश के सहकारी डेयरी ढांचे (जैसे अमूल और अन्य राज्य स्तरीय कॉपरेटिव्स) को अपूरणीय क्षति होगी। करोड़ों महिलाओं के हाथ से उनका रोजगार छिन जाएगा, जो अंततः ग्रामीण भारत में गरीबी और कुपोषण को और बढ़ाएगा। इसी तरह, अमेरिकी 'चिकन लेग्स' (मुर्गे के पैर) की डंपिंग से भारत का पोल्ट्री उद्योग, जिसमें लाखों छोटे उद्यमी शामिल हैं, पूरी तरह तबाह होने की कगार पर पहुंच जाएगा।

किसान संगठनों की नाराजगी का एक और बड़ा और जायज कारण इस पूरी वार्ता प्रक्रिया में पारदर्शिता का घोर अभाव होना है। ट्रेड डील से जुड़े फैसले बंद कमरों में, बिना किसी सार्वजनिक बहस या हितधारकों से चर्चा किए लिए जा रहे हैं। भारत के संविधान में कृषि को 'राज्य सूची' का विषय माना गया है, जिसका सीधा मतलब है कि कृषि से जुड़े किसी भी बड़े फैसले में राज्य सरकारों की सहमति और भागीदारी अनिवार्य होनी चाहिए। परंतु केंद्र सरकार ने इस समझौते के फ्रेमवर्क को आगे बढ़ाते समय न तो किसान यूनियनों को विश्वास में लिया और न ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों या कृषि मंत्रियों से कोई सार्थक संवाद किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह रवैया अत्यंत चिंताजनक है। जब देश की आधी आबादी के जीवन को प्रभावित करने वाली नीति गुपचुप तरीके से तैयार की जाती है, तो जनता का व्यवस्था से भरोसा उठना लाजमी है। किसानों की यह मांग पूरी तरह तार्किक है कि सरकार इस समझौते से जुड़े सभी मसौदे और दस्तावेजों को सार्वजनिक करे और संसद में इस पर विस्तृत बहस कराई जाए।

कृषि केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं है, यह किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा की पहली कतार है। 1960 के दशक में भारत ने 'पीएल-480' (PL-480) के तहत अमेरिकी गेहूं पर निर्भरता का जो दंश झेला था, उसे देश भूला नहीं है। उस समय अमेरिका ने खाद्यान्न आपूर्ति को एक राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर भारत की विदेश नीति को प्रभावित करने की कोशिश की थी। इसके बाद ही भारत ने 'हरित क्रांति' के जरिए खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल की। आज यह ट्रेड डील हमें वापस उसी खतरनाक रास्ते पर ले जाने का जोखिम पैदा कर रही है। यदि भारत अपनी खाद्य जरूरतों के लिए अमेरिकी आयात पर निर्भर हो जाता है, तो देश की 'खाद्य संप्रभुता' खतरे में पड़ जाएगी। कल को यदि कोई भू-राजनीतिक तनाव होता है, तो अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स हमारे देश की खाद्य आपूर्ति को नियंत्रित कर सकते हैं। एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में भारत कभी भी अपनी 140 करोड़ जनता की थाली की चाबी किसी विदेशी ताकत या विदेशी कंपनियों के हाथ में नहीं सौंप सकता।

अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौतों में हमेशा 'बौद्धिक संपदा अधिकारों' और पेटेंट कानूनों को कड़ा करने की शर्त शामिल होती है। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां जैसे कि मोंसैटो और कारगिल चाहती हैं कि भारत के बीज कानूनों में बदलाव किया जाए ताकि वे बीजों और कृषि प्रौद्योगिकियों पर अपना पूर्ण एकाधिकार स्थापित कर सकें। भारत में पारंपरिक रूप से किसान अपनी फसल से ही अगले साल के लिए बीज बचाकर रखते हैं या आपस में विनिमय करते हैं। अमेरिकी दबाव में यदि 'प्रोटेक्टेड वैरायटी' और सख्त पेटेंट कानून लागू किए गए, तो किसानों का अपने ही बीजों पर अधिकार खत्म हो जाएगा। उन्हें हर सीजन में महंगे पेटेंटेड बीज कॉर्पोरेट कंपनियों से खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इससे न केवल खेती की लागत कई गुना बढ़ जाएगी, बल्कि भारत की समृद्ध जैव-विविधता और पारंपरिक कृषि ज्ञान भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाएगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ किसानों का यह देशव्यापी आंदोलन केवल फसलों के दाम की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह इस देश के ग्रामीण समाज के वजूद की लड़ाई है। यह नीतिगत दिशा तय करने का एक निर्णायक मोड़ है कि भारत का विकास मॉडल कैसा होना चाहिए। क्या हम ऐसा भारत चाहते हैं जहाँ चंद कॉरपोरेट घरानों के मुनाफे के लिए करोड़ों किसानों और खेतिहर मजदूरों को उनके खेतों से बेदखल कर दिया जाए? या हम एक ऐसा समावेशी भारत चाहते हैं जहाँ आर्थिक नीतियों के केंद्र में देश का गरीब, किसान और आम नागरिक हो?

सरकार को यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीति की चमक देश के अन्नदाताओं के आंसुओं पर नहीं बिखेरी जा सकती। यदि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को संतुष्ट करने के लिए भारतीय कृषि की बलि चढ़ाई गई, तो इसके सामाजिक और आर्थिक परिणाम बेहद भयावह होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर बड़े पैमाने पर पलायन होगा, बेरोजगारी चरम पर पहुंच जाएगी और देश में सामाजिक असंतोष की एक नई लहर पैदा होगी। समय की मांग है कि सरकार तुरंत इस आत्मघाती ट्रेड डील पर आगे बढ़ने से रुके, किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को वार्ता की मेज पर बुलाए और देश की खाद्य सुरक्षा व किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए एक नई न्यायसंगत नीति तैयार करे। देश का विकास किसानों की तबाही की कीमत पर कभी नहीं हो सकता वो भी उस समय जब पंजाब का चुनाव सर पर हो तो पंजाब के किसानों से पंगा लेना उचित नहीं होगा ।

युवाओं के भविष्य की आड़ में संसद तक टकरावः लोकतंत्र के प्रहरी कहाँ भटक गए?

-प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी, मुंबई

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन संसद की ओर बलपूर्वक बढ़ने, निषेधाज्ञा तोड़ने, पुलिस से टकराने और सार्वजनिक व्यवस्था को बंधक बनाने का अधिकार किसी को नहीं है। 20 जुलाई 2026 को दिल्ली में नीट-यूजी पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था के नाम पर आयोजित चलो संसद मार्च ने इसी बुनियादी मर्यादा को तोड़ा। जो प्रश्न परीक्षा की निष्पक्षता से शुरू हुआ था, उसे योजनाबद्ध तरीके से सरकार-विरोधी उन्माद, सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक टकराव में बदल दिया गया। यह छात्रहित की लड़ाई कम और युवाओं की बेचैनी पर राजनीति की रोटी सेंकने का अभियान अधिक दिखाई दिया।

सबसे पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि पेपर लीक कोई साधारण गलती नहीं, बल्कि लाखों विद्यार्थियों के परिश्रम और भविष्य के विरुद्ध गंभीर अपराध है। जिन अधिकारियों, कर्मचारियों, दलालों या संगठित गिरोहों की संलिप्तता सामने आए, उन्हें कठोरतम दंड मिलना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार इस प्रश्न से भाग नहीं रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक को गंभीर पाप बताते हुए दोषियों को सख्त सजा देने और परीक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि युवाओं का भविष्य दलगत राजनीति का नहीं, राष्ट्रहित का विषय है।

नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा आयोजित की गई, परिणाम जारी किए गए और जांच के अंतर्गत आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी भी सामने आई। मामला न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में है। ऐसे में सुधार और जांच को आगे बढ़ाने के बजाय देश को यह बताना कि सरकार कुछ कर ही नहीं रही, तथ्य नहीं बल्कि राजनीतिक दुष्प्रचार है।

जब सरकार जांच करा रही है, पुनर्परीक्षा करा चुकी है, दोषियों की गिरफ्तारी हो रही है और संसद में चर्चा के लिए भी तैयार है, तब सवाल उठता है–फिर संसद तक टकरावपूर्ण मार्च क्यों? क्या ज्ञापन देने, प्रतिनिधिमंडल से मिलने, न्यायालय जाने, संसदीय चर्चा कराने और शांतिपूर्ण धरने के सभी रास्ते बंद हो गए थे?

उत्तर है ..नहीं।

आंदोलनकारियों के प्रतिनिधियों की केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा से मुलाकात हुई। सरकार की ओर से विपक्ष की नीट पर संसदीय चर्चा की मांग स्वीकार किए जाने की बात भी कही गई, लेकिन इसके बाद मांगों का स्वरूप बदलकर मंत्री के इस्तीफे और व्यापक राजनीतिक अभियान की दिशा में ले जाया गया। इससे संदेह मजबूत होता है कि समाधान लक्ष्य नहीं था; टकराव और राजनीतिक प्रचार लक्ष्य बन चुका था।

सोशल मीडिया से संसद मार्ग तक उकसावे की राजनीति

कथित कॉकरेच जनता पार्टी सीजेपी ने सोशल मीडिया की उत्तेजना को सड़क पर उतारने का प्रयास किया। युवाओं की वास्तविक पीड़ा को नारे, वायरल वीडियो, भावनात्मक अपील और सरकार-विरोधी आक्रोश के मिश्रण में बदल दिया गया। परीक्षा सुधार से प्रारंभ हुआ विषय धीरे-धीरे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, सरकार के विरुद्ध व्यापक अभियान और संसद की ओर मार्च तक पहुंचा दिया गया।

सोनम वांगचुक जैसे चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता की प्रतिष्ठा और उनके अनशन को भी इस अभियान की नैतिक ढाल बनाया गया। किसी व्यक्ति के सामाजिक योगदान का सम्मान अपनी जगह है, लेकिन क्या किसी प्रतिष्ठित नाम की उपस्थिति से कानून तोड़ने का अधिकार मिल जाता है? क्या भावनात्मक लोकप्रियता संसद की सुरक्षा, निषेधाज्ञा और पुलिस निर्देशों से ऊपर हो सकती है?

लोकतंत्र व्यक्ति-पूजा से नहीं, संविधान और संस्थाओं से चलता है।

सोनम वांगचुक ने आंदोलन का समर्थन किया, संसद मार्च की अपील की और अपना अनशन जारी रखने की घोषणा की। उनके स्वास्थ्य और अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, लेकिन उनके नाम को युवाओं की भीड़ को संसद की ओर ले जाने का औचित्य नहीं बनाया जा सकता। सामाजिक प्रतिष्ठा किसी भी व्यक्ति को संवैधानिक सीमाओं से ऊपर नहीं रखती।

आंदोलन के नाम पर युवाओं को कानूनी संकट में क्यों धकेला गया?

प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के घायल होने, पुलिस वाहनों में तोड़फोड़, बैरिकेड हटाए जाने और अनेक लोगों को हिरासत में लिए जाने की खबरें सामने आईं। नई दिल्ली क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश भी लागू थे। ऐसी स्थिति में पूरे घटनाक्रम को केवल शांतिपूर्ण छात्र आवाज बताना वास्तविकता से आंखें मूंदना है।

शांतिपूर्ण विद्यार्थी और हिंसक अथवा उपद्रवी तत्व एक नहीं हो सकते। निर्दोष युवा के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए, लेकिन भीड़ में शामिल होकर कानून तोड़ने वाले व्यक्ति को केवल विद्यार्थी कहकर उत्तरदायित्व से मुक्त भी नहीं किया जा सकता।

जो नेता युवाओं को उकसाकर आगे कर देते हैं, वे स्वयं कानूनी जोखिम से बच जाते हैं। मुकदमे, हिरासत, पढ़ाई में व्यवधान और भविष्य पर दाग उन नौजवानों के हिस्से आता है जिन्हें भावनाओं में बहाकर सड़क पर उतारा जाता है। सोशल मीडिया पर क्रांति का आह्वान करने वाले लोग किसी विद्यार्थी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की जिम्मेदारी लेने उसके घर नहीं जाएंगे।

यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पक्ष है। विपक्ष के कई बड़े नेता छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए नहीं, सरकार को घेरने के अवसर के रूप में सक्रिय दिखाई दिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना दिया और मुद्दे को व्यापक राजनीतिक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया।

विपक्ष को प्रश्न पूछने का पूरा अधिकार है, पर उसे यह अधिकार नहीं कि वह जांच पूरी होने से पहले फैसला सुना दे, युवाओं के मन में प्रत्येक संस्था के प्रति अविश्वास भरे और हर सुधारात्मक कदम को नकारकर केवल इस्तीफे तथा सड़क के दबाव की राजनीति करे।

यदि तथ्य हैं तो संसद में रखिए।

यदि प्रमाण हैं तो न्यायालय और जांच एजेंसियों को दीजिए।

यदि परीक्षा सुधार का प्रस्ताव है तो उसे देश के सामने प्रस्तुत कीजिए।

लेकिन युवाओं को ढाल बनाकर राजधानी में अराजकता उत्पन्न करना लोकतांत्रिक जवाबदेही नहीं है।

यह स्वतःस्फूर्त आक्रोश नहीं, राजनीतिक रूप से पोषित अभियान है

यह आंदोलन अब स्वतःस्फूर्त छात्र असंतोष की सीमा पार कर राजनीतिक रूप से पोषित अभियान बन चुका दिखाई देता है। एक ओर विपक्ष संसद में चर्चा की मांग करता है और दूसरी ओर उसी संसद की ओर प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए भीड़ को ले जाने का समर्थन करता है।

यह दोहरा चरित्र क्यों?

संसद बहस का सर्वोच्च मंच है, भीड़ के दबाव से घेरने का लक्ष्य नहीं। संसद की ओर चढ़ाई अथवा बलपूर्वक कूच की भाषा, चाहे उसे बाद में प्रतीकात्मक ही क्यों न बताया जाए, लोकतंत्र की मर्यादा कमजोर करती है। राष्ट्र की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था तक टकरावपूर्ण मार्च को सामान्य विरोध बताना एक खतरनाक परंपरा को जन्म देगा।

आज नीट के नाम पर संसद की ओर भीड़ ले जाई गई, तो कल किसी अन्य निर्णय के नाम पर राष्ट्रपति भवन, सर्वोच्च न्यायालय या किसी संवैधानिक संस्था को घेरने की कोशिश की जा सकती है। क्या यही लोकतंत्र है? क्या चुनाव में जनता द्वारा अस्वीकार किए गए राजनीतिक दल अब सड़क की भीड़ के माध्यम से शासन चलाना चाहते हैं?

दोषी अधिकारी भी बचेंगे नहीं, राजनीतिक उकसाने वाले भी जवाब दें

भारतीय जनता पार्टी का स्पष्ट मत है कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला कोई भी व्यक्ति बख्शा नहीं जाना चाहिए चाहे वह अधिकारी हो, परीक्षा माफिया हो, दलाल हो या व्यवस्था के भीतर बैठा कोई दोषी तत्व।

जांच निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए। दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए जो भविष्य के लिए उदाहरण बने। परीक्षा संचालन में तकनीकी सुरक्षा, प्रश्नपत्र की निगरानी, परीक्षा केंद्रों की जवाबदेही और संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

लेकिन साथ ही उन राजनीतिक दलों और तथाकथित युवा संगठनों की नैतिक जवाबदेही भी तय होनी चाहिए, जो जांच के बीच अफवाह फैलाते हैं, युवाओं को भड़काते हैं और उन्हें पुलिस से भिड़ने के लिए आगे कर देते हैं।

देश के युवाओं को समझना होगा कि उनका भविष्य आंदोलन आयोजकों के भाषणों में नहीं, शिक्षा, परिश्रम, कौशल और संवैधानिक संघर्ष में सुरक्षित है। जो लोग उन्हें संसद से टकराने भेजते हैं, वे उनके करियर की जिम्मेदारी नहीं लेंगे। जिनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज होंगे, जिनकी पढ़ाई बाधित होगी और जिनके परिवार परेशान होंगे, उनके साथ न तो सोशल मीडिया के नायक खड़े होंगे और न अवसरवादी नेता।

सरकार से प्रश्न अवश्य पूछिए, पर उत्तर सुनने का धैर्य भी रखिए। जांच की मांग कीजिए, लेकिन जांच को समय और संस्थागत स्वतंत्रता भी दीजिए। दोषियों के दंड की मांग कीजिए, पर पूरे राष्ट्र और उसकी संस्थाओं को कटघरे में खड़ा मत कीजिए। विरोध कीजिए, पर संसद, पुलिस और सार्वजनिक संपत्ति को चुनौती देकर नहीं।

नीट पेपर लीक के दोषियों को दंड मिलना ही चाहिए; इसमें कोई समझौता नहीं हो सकता। किंतु पेपर लीक की पीड़ा को राजनीतिक विस्फोटक बनाकर दिल्ली की सड़कों पर अराजकता फैलाना भी उतना ही अस्वीकार्य है।

युवाओं के भविष्य के नाम पर युवाओं को ही कानूनी संकट में धकेलना सबसे बड़ा छल है।

आंदोलन अधिकार है, अराजकता नहीं।

जवाबदेही आवश्यक है, राजनीतिक उकसावा नहीं।

संसद संवाद का मंदिर है, भीड़ के टकराव का मैदान नहीं।

और भारत का युवा राष्ट्रनिमार्ता है–किसी दल या आंदोलन का राजनीतिक हथियार नहीं।

दुखभरी जनता की आवाज दबाने से आए न बाज — हमारे देश की सरकार?

विक्रम दयाल

-विक्रम दयाल

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान केवल चुनाव नहीं, बल्कि जनता की आवाज का सम्मान है। संसद, विधानसभाएँ, न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और जागरूक नागरिक–ये सभी मिलकर लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखते हैं। यदि आम आदमी अपनी पीड़ा कहने से पहले ही यह सोचने लगे कि उसकी बात सुनी जाएगी या नहीं, तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए आत्ममंथन का विषय है। आज देश एक ओर विकास, डिजिटल क्रांति, आधुनिक आधारभूत संरचना और वैश्विक प्रतिष्ठा की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर आम नागरिक के मन में अनेक प्रश्न भी जन्म ले रहे हैं। महँगाई की मार से रसोई का बजट बिगड़ रहा है। शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। किसान मौसम की मार, बढ़ती लागत और अनिश्चित आय से जूझ रहा है। छोटे व्यापारी बदलती आर्थिक परिस्थितियों और प्रतिस्पर्धा के दबाव में संघर्ष कर रहे हैं। आम परिवार स्वास्थ्य और शिक्षा के बढ़ते खर्च से चिंतित है। ये केवल आँकड़े नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन की वास्तविकताएँ हैं। हाल के वर्षों में देश ने अनेक ऐसी घटनाएँ भी देखी हैं, जिन पर समाज में तीखी बहस हुई–कहीं दुर्घटनाओं ने प्रशासनिक जवाबदेही पर प्रश्न उठाए, कहीं कानून-व्यवस्था की घटनाओं ने नागरिकों को चिंतित किया, कहीं भ्रष्टाचार, पेपर लीक, साइबर ठगी और डिजिटल धोखाधड़ी जैसी समस्याओं ने लोगों का विश्वास डगमगाया। सोशल मीडिया के युग में सूचनाएँ तेजी से फैलती हैं, लेकिन कई बार भ्रम और कटुता भी उतनी ही तेजी से फैल जाती है। ऐसे समय में सरकार, मीडिया और नागरिक–तीनों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि सत्य, संवेदनशीलता और संवाद को प्राथमिकता दें। सरकार की आलोचना लोकतंत्र का विरोध नहीं होती, बल्कि उसे और अधिक उत्तरदायी बनाने का माध्यम हो सकती है। उसी प्रकार हर सरकारी निर्णय को बिना समझे नकार देना भी उचित नहीं। स्वस्थ लोकतंत्र वही है जहाँ प्रश्न पूछने वाले को देशद्रोही नहीं कहा जाता और शासन चलाने वालों को शत्रु नहीं माना जाता। असहमति यदि संविधान की मर्यादा में व्यक्त हो, तो वह लोकतंत्र की शक्ति बनती है, कमजोरी नहीं। जनता की आवाज आँकड़ों से नहीं, आँसुओं से निकलती है। जब किसी माँ की रसोई महँगाई से प्रभावित होती है, जब किसी युवा का सपना बेरोजगारी से टूटता है, जब किसी किसान की मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिलता, जब किसी बुजुर्ग की पेंशन या उपचार की चिंता बढ़ती है, तब वे केवल व्यक्तिगत समस्याएँ नहीं रहतीं–वे राष्ट्र की संवेदनशीलता की परीक्षा बन जाती हैं। एक आदर्श सरकार वही है जो प्रशंसा से अधिक आलोचना को सुने, विरोध में भी सुझाव खोजे और हर नागरिक को यह विश्वास दिलाए कि उसकी बात सत्ता के गलियारों तक पहुँचती है। वहीं जनता का भी कर्तव्य है कि वह तथ्य, संयम और संवैधानिक मयार्दा के साथ अपनी बात रखे। लोकतंत्र संवाद से मजबूत होता है, टकराव से नहीं। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि विश्वास की पुनर्स्थापना की है। सरकार जनता को सुने, जनता सरकार पर विश्वास बनाए रखने का प्रयास करे और संस्थाएँ निष्पक्षता, पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें। यही वह मार्ग है जो भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और न्यायपूर्ण लोकतंत्र भी बनाएगा। अंत में इतना ही– ऱसत्ता की सबसे बड़ी ताकत उसकी शक्ति नहीं, जनता का विश्वास होता है। जिस दिन शासन जनता की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझने लगेगा, उसी दिन लोकतंत्र का वास्तविक उत्सव प्रारंभ होगा। जनता की आवाज को दबाकर नहीं, उसे सुनकर ही राष्ट्र महान बनता है।

भिवंडी के शेख वामिक ने NEET-UG 2026 में पहली ही कोशिश में हासिल की शानदार सफलता, मिल रही बधाईयां

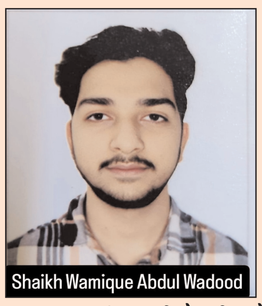
Shaikh Wamique Abdul Wadood

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG 2026 के घोषित परिणामों में भिवंडी के प्रतिभाशाली छात्र शेख वामिक अब्दुल वदूद ने पहली ही कोशिश में शानदार सफलता हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज से बारहवीं की शिक्षा पूरी करने वाले वामिक ने 596 अंक प्राप्त करते हुए ऑल इंडिया रैंक (AIR) 11,470 हासिल की है। नीट जैसी देश की सबसे कठिन और प्रतिस्पर्धी मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में पहली ही कोशिश में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करना शेख वामिक की मेहनत, अनुशासन और अध्ययन के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उनकी इस उपलब्धि को भिवंडी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। शेख वामिक के पिता अब्दुल वदूद मोहम्मद दीन शेख भिवंडी के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान अमजदिया हाई स्कूल में शिक्षक हैं। बेटे की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं शहर के शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। शेख वामिक की इस सफलता पर रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के पूर्व उप-प्रधानाचार्य अब्दुल अजीज अंसारी, सलाहुद्दीन अय्यूबी हाई स्कूल के पूर्व शिक्षक खान जाकिर हुसैन सहित अनेक शिक्षकों, शिक्षाविदों, मित्रों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें तथा उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे एक सफल चिकित्सक बनकर समाज, देश और मानवता की सेवा करेंगे।

आईआईएम मुंबई ने लॉन्च किया एग्जीक्यूटिव एमबीए इन वेल्थ मैनेजमेंट

मुंबई। भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई ने वित्तीय सेवा क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए एक वर्षीय एग्जीक्यूटिव एमबीए इन वेल्थ मैनेजमेंट कार्यक्रम की शुरूआत की है। नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट के सहयोग से विकसित इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 15 जुलाई, 2026 को आईआईएम मुंबई के पवई परिसर में किया गया। कार्यक्रम की कक्षाएं 18 जुलाई, 2026 से शुरू हो चुकी हैं।

एग्जीक्यूटिव एमबीए इन वेल्थ मैनेजमेंट भारत के उन शुरूआती शैक्षणिक कार्यक्रमों में से एक है, जो विशेष रूप से वेल्थ मैनेजमेंट पर केंद्रित है। नॉन-रेजिडेंशियल वीकेंड कार्यक्रम है, जिसे 52 सप्ताहांतों में संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ उद्योग जगत के व्यावहारिक अनुभवों का समन्वय करना है।

कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, रिस्क असेसमेंट, कराधान, एस्टेट प्लानिंग और बिहेवियरल फाइनेंस जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। शिक्षण आईआईएम मुंबई के संकाय सदस्यों द्वारा किया जाएगा, जबकि नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट और अन्य संस्थानों के उद्योग विशेषज्ञ अपने व्यावहारिक अनुभवों पर आधारित विशेष सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे।

यह कार्यक्रम भारत के तेजी से विकसित हो रहे वेल्थ मैनेजमेंट क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस एग्जीक्यूटिव एमबीए के अतिरिक्त, आईआईएम मुंबई और नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट ने मास्टरक्लास, केस स्टडी, शोध प्रकाशन और उद्योग संबंधी विचारों के डिजिटल प्रसार को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन भी किया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत का वेल्थ मैनेजमेंट उद्योग तेजी से विकसित हुआ है। बढ़ती उद्यमशीलता, व्यवसायों में लिक्विडिटी इवेंट्स, पहली पीढ़ी द्वारा संपत्ति निर्माण तथा पीढ़ीगत संपत्ति हस्तांतरण जैसे कारकों ने इस क्षेत्र के विकास को गति दी है। इसके परिणामस्वरूप निवेश, जोखिम प्रबंधन, कराधान, उत्तराधिकार योजना और व्यापक वेल्थ एडवाइजरी सेवाओं में विशेषज्ञता रखने वाले पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है।

प्रो. मनोज कुमार तिवारी, निदेशक, आईआईएम मुंबई, ने कहा, ₹भारत के वित्तीय तंत्र में वेल्थ मैनेजमेंट उद्योग का महत्व लगातार बढ़ रहा है, जिससे ऐसे पेशेवरों की आवश्यकता बढ़ी है जिनके पास मजबूत सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक समझ भी हो। यह कार्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप भविष्य के नेतृत्व को तैयार करने की आईआईएम मुंबई की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट के साथ हमारा सहयोग प्रतिभागियों के सीखने के अनुभव को उद्योग विशेषज्ञों के व्यावहारिक दृष्टिकोण से और समृद्ध करेगा। शाजीकुमार देवाकर, सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नियो वेल्थ, ने कहा, ₹वेल्थ मैनेजमेंट उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और इसे ऐसे पेशेवरों की आवश्यकता है जो तकनीकी विशेषज्ञता के साथ ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण भी रखते हों। इस कार्यक्रम के लिए आईआईएम मुंबई के साथ सहयोग करते हुए हमें खुशी है। संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ उद्योग के अनुभवों को जोड़ते हुए हम इस तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र के लिए सक्षम प्रतिभाओं के निर्माण में योगदान देना चाहते हैं। उद्घाटन समारोह में आईआईएम मुंबई के वरिष्ठ नेतृत्व, संकाय सदस्य, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और प्रथम बैच के प्रतिभागी उपस्थित थे। इस अवसर पर शाजीकुमार देवाकर ने वेल्थ मैनेजमेंट क्षेत्र के उभरते रुझानों तथा वित्तीय सेवा क्षेत्र में निरंतर पेशेवर विकास के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

गोदरेज एग्रोवेट ने तेलंगाना में भारत के पहले इंटीग्रेटेड ऑयल पाम कॉम्प्लेक्स का किया उद्घाटन

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े फार्म-टू-प्रोटीन प्लेटफॉर्म्स में से एक गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने आज तेलंगाना के खम्मम में भारत के पहले इंटीग्रेटेड ऑयल पाम कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इस कॉम्प्लेक्स में ऑयल पाम की पूरी वैल्यू चेन को एक ही परिसर में विकसित किया गया है, जिसमें बीज एवं जेनेटिक्स, नर्सरी, आरएंडडी केंद्र, ऑयल पाम मिल तथा जल्द शुरू होने वाली अत्याधुनिक रिफाइनरी शामिल हैं। पूरे कॉम्प्लेक्स के पूर्ण रूप से संचालित होने पर कंपनी का कुल निवेश 300 करोड़ रुपये होगा। इस कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन तेलंगाना सरकार के माननीय उप मुख्यमंत्री और माननीय वित्त और योजना, ऊर्जा मंत्री श्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू गारू ने किया। इस अवसर पर तेलंगाना सरकार के माननीय राजस्व और आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री श्री पोंगुल्टी श्रीनिवास रेड्डी गारू, तेलंगाना सरकार के माननीय कृषि, विपणन, सहकारिता और हथकरघा और कपड़ा मंत्री श्री तुम्मला नागेश्वर राव गारू, तेलंगाना सरकार के माननीय आईटीई और सी, उद्योग और वाणिज्य, और विधायी मामलों के मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू गारू और खम्मम से संसद सदस्य श्री रामसहायम रघुराम रेड्डी गारू भी उपस्थित रहे ।

क्या मीरा-भायंदर मनपा सेवन-इलेवन की शाखा है?

- शिवसेना की रणरागिनी नगर सेविकाओं शर्मिला बागाजी, वंदना पाटील और फ्रिडा डिमेलो का महापौर के कथित मनमाने कारभार पर जोरदार हमला
- राजशिष्टाचार के अपमान को लेकर पत्र के जरिए सीधी चुनौती

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका में सत्ताधारियों के कथित हुकूमशाही और मनमाने कारभार के खिलाफ शिवसेना की नगरसेविकाओं शर्मिला बागाजी, वंदना पाटील और फ्रिडा डिमेलो ने जोरदार हमला बोला है। राजशिष्टाचार महाराष्ट्र की प्रशासनिक संस्कृति की आत्मा है और उसका अपमान लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है, इन तीखे शब्दों में तीनों नगरसेविकाओं ने महापौर और मनपा प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। महापौर को भेजे गए इस पत्र से स्थानीय राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। मैं कहूं वही पूर्व दिशा वाला अहंकार लोकतंत्र में नहीं चलेगा समाचार पत्रों में प्रकाशित महापौर के कथित बयान पर निशाना साधते हुए पत्र में कहा गया है कि निमंत्रण पत्रिका में नाम और उनका क्रम तय करने का अधिकार केवल मेरा है, ऐसा दावा करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजाक उड़ाने जैसा है। मीरा-भायंदर महानगरपालिका किसी निजी कंपनी

सौ. शर्मिला वि. बगाजी (मंडोली)
नगरसेविका
मिरा भाईंदर महानगरपालिका
विशेष कार्यकारी अधिकारी – महाराष्ट्र शासन

मिरा भाईंदर महानगरपालिका, मुख्य कार्यालय, स्व. इंदिरा गांधी भवन, भाईंदर (प.) ता. जि. ठाणे – ४०१ १०१.

निवास : उत्तन भाटेबंदर, वेलंकनी रोड, भाईंदर (प.), ता. जि. ठाणे – ४०१ १०६ मोबाईल : 8369048398
कार्यालय : अहमद नियाज मंजील, उत्तन पाली शिक्षा स्टँडजवळ, मेट्रो सिटी बँकेच्या जवळ, भाईंदर (प.) – ४०१ १०६.

जावक क्र. दिनांक

के संचालक मंडल का कार्यालय नहीं है और न ही यह किसी व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत निजी संपत्ति है। ठाणे महानगरपालिका का उदाहरण देते हुए तीनों नगरसेविकाओं ने कहा कि ठाणे में राजनीतिक मतभेदों को अलग रखते हुए सभी दलों के मंत्री, सांसद और विधायकों को राजशिष्टाचार के अनुसार उचित स्थान दिया जाता है। इसके विपरीत मीरा-भायंदर में बहुमत के बल पर मैं कहूं वही पूर्व दिशा वाला अहंकार चलाया जा रहा है। महापौर पद सेवा का व्रत है, सिंहासन का मुकुट नहीं सेवन-इलेवन को लेकर भी तीनों नगरसेविकाओं ने सीधे तौर पर निशाना साधते हुए कहा कि मीरा-भायंदर महानगरपालिका किसी निजी उद्योग समूह सेवन-इलेवन की शाखा नहीं है। मनपा के प्रवेश द्वार पर अभी तक प्राइवेट लिमिटेड का बोर्ड नहीं लगा है, यह सत्ताधारियों को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास में पुर्तगाली शासन के दौरान घोड़बंदर किले को व्यापार का केंद्र बनाकर मनमानी की गई थी। क्या आज लोकतांत्रिक व्यवस्था में महानगरपालिका को सेवन-इलेवन मुख्यालय बनाने का कोई नया प्रयोग किया जा रहा है?

नगरसेविकाओं ने कहा कि महापौर पद अधिकार का सिंहासन नहीं, बल्कि जनसेवा की जिम्मेदारी है। इस पद पर अहंकार से अधिक संयम और राजशिष्टाचार की आवश्यकता होती है। व्यक्ति आते-जाते रहते हैं, लेकिन लोकतंत्र के मूल्य हमेशा कायम रहते हैं। राजशिष्टाचार नहीं निभाना, लेकिन निधि की मांग करना—यह एकतरफा भूमिका नहीं चलेगी तीनों नगरसेविकाओं ने कहा कि यदि मनमाना कारभार करना है, तो परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के प्रयासों से तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में मीरा-भायंदर शहर के विकास कार्यों के लिए प्राप्त करीब 3,000 करोड़ रुपये का निधि भी राज्य सरकार को वापस कर देना चाहिए और मंत्री प्रताप सरनाईक का आभार मानना चाहिए।

श्रीराम जानकी सेवा संस्था के संस्थापक बृजेश पाण्डेय का धूमधाम से मना जन्मदिन

पालघर (उत्तरशक्ति)। श्रीराम जानकी सेवा संस्था के संस्थापक व चंद्रा इलेक्ट्रिकल्स के संचालक बृजेश पाण्डेय का जन्मदिन संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों का स्वागत करते हुए की गई। संस्था के अध्यक्ष संजय ठाकुर ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। समारोह के दौरान केक काटकर बृजेश पाण्डेय का जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर उपस्थित सभी जनों ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संस्था की ओर से सभी उपस्थित लोगों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में संस्था के सचिव पंकज पाण्डेय, कोषाध्यक्ष सुरेश पाण्डेय, मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश द्विवेदी, वरिष्ठ समाजसेवी लाल प्रताप सिंह, वीरेंद्र बहादुर सिंह, दिनेश पाठक, उद्योगपति मनोज ठाकुर, श्रवण मिश्रा, अखिलेश तिवारी तथा केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र सहित संस्था के अनेक पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे।

सेंट जॉन इंटरनेशनल स्कूल की रोबोटिक्स में शानदार सफलता, राष्ट्रीय मंच पर पालघर का मान बढ़ाया

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सेंट जॉन इंटरनेशनल स्कूल ने प्रतिष्ठित रोबोटेक्स इंडिया नेशनल चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय के साथ-साथ पूरे पालघर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 17 एवं 18 जुलाई 2026 को पुणे स्थित वर्ल्ड पीस डोम, एमआईटी-एडीटी विश्वविद्यालय में आयोजित की गई, जिसमें देशभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग संस्थानों से 7,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में लाइन फॉलोअर, लेगो लाइन फॉलोअर, मिनी सूमो, मेगा सूमो, ड्रोन एविएशन, एंटरप्रेन्योरशिप चैलेंज, मेज सॉल्वर, फोक रेस तथा गर्ल्स फायरफाइटर सहित विभिन्न तकनीकी स्पधार्ओं का आयोजन किया गया। सेंट जॉन इंटरनेशनल स्कूल ने कक्षा 7वीं से 9वीं तक के विद्यार्थियों की चार टीमें लाइन फॉलोअर (ओपन कैटेगरी) प्रतियोगिता में उतारीं। इस श्रेणी में देशभर की 67 टीमों ने भाग लिया। ओपन कैटेगरी में विद्यालय के विद्यार्थियों ने

इंजीनियरिंग कॉलेजों और अनुभवी रोबोटिक्स प्रतिभागियों की टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा की। कड़ी चुनौती के बावजूद विद्यालय की चार में से दो टीमों ने फाइनल में स्थान बनाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। फाइनल मुकाबले में विद्यालय की एक टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त करते हुए 30 हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता। इसके साथ ही टीम ने दक्षिण कोरिया में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित रोबोटेक्स इंटरनेशनल चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। अब यह टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

विजेता टीम में कप्तान अन्ना निलेश पाटील, निहारिका हर्षद सांख्ये, वृद्धि दीपक पिठले, जिशा जयेश कुमार पटेल व निष्ठा विशाल माली शामिल थीं। टीम का मार्गदर्शन प्रतिक्षा संखे एवं कुणाल मोरे ने किया। उनके कुशल मार्गदर्शन और सतत प्रोत्साहन ने विद्यार्थियों की इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर वीणा मॉन्टेरो तथा विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों व मार्गदर्शकों को इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी।उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत, समर्पण और नवाचार की भावना की सराहना करते हुए दक्षिण कोरिया में होने वाली रोबोटिक्स इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम को शुभकामनाएं दीं। सेंट जॉन इंटरनेशनल स्कूल की यह उपलब्धि पालघर जिले के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार व रळएट शिक्षा को बढ़ावा देते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करने के अपने संकल्प को लगातार मजबूत कर रहा है।

लल्लन तिवारी के जीवन पर आधारित पुस्तक जीवन की राह का विमोचन

भायंदर (उत्तरशक्ति)। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी के जीवन पर आधारित पुस्तक जीवन की राह का विमोचन उनके जन्मदिन पर सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया। विमोचन के पहले इस पुस्तक की प्रस्तुति एवं संपादन करने वाले हिंदी के प्रकांड विद्वान तथा कथावाचक पंडित तुलसीशरण ने पुस्तक से जुड़ी कुछ रोचक बातों पर प्रकाश डाला।

पुस्तक में 75 वर्षों के सफर को हीरक जयंती समारोह के रूप में आकर्षक तरीके से दिखाया गया है। पुस्तक विमोचन समारोह में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, काशी क्षेत्र के

विधायक सुशील सिंह, डॉ अवधेश सिंह, ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा, वरिष्ठ समाजसेवी तथा भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, उत्तर प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह, श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, एडवोकेट अखिलेश चौबे, शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह, उत्तर भारतीय मोर्चा के मुंबई अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, मीरा भायंदर परिवहन समिति के सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, भाजपा जिला मंत्री बृजेश तिवारी आदि का समावेश रहा। राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल तिवारी ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भिवंडी में गोदाम निर्माण के लिए प्राकृतिक नालों पर भराव के कारण किसानों के खेत बने तालाब, प्रशासन से न्याय की कर रहे गुहार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तहसील के कुरुंद गांव में गोदाम निर्माण के दौरान प्राकृतिक नालों में मिट्टी भरकर उन्हें बंद किए जाने का आरोप सामने आया है। किसानों का कहना है कि नालों के बंद होने से बारिश का पानी खेतों से बाहर नहीं निकल पा रहा है, जिसके कारण उनकी कृषि भूमि तालाब में तब्दील हो गई है। इससे वे पिछले दो वर्षों से खेती करने से वंचित हैं।

कुरुंद गांव के किसान संजय लहू पाटिल और संतोष राजाराम भोईर ने आरोप लगाया है कि गोदाम निर्माण से जुड़े व्यवसायियों दिलीप जैन, मीत जैन और समीर चौधरी ने गोदाम एवं आरसीसी कंपाउंड वॉल बनाते समय प्राकृतिक जल निकासी मार्गों पर मिट्टी भर दी। इसके कारण खेतों में

जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई और बारिश के दौरान फसलें पानी में सड़कर नष्ट हो रही हैं। पीड़ित किसानों का कहना है कि उन्होंने इस मामले की शिकायत ठाणे जिला कलेक्टर, भिवंडी प्रांत अधिकारी और तहसीलदार कार्यालय सहित संबंधित विभागों से की है। तलाठी द्वारा मौके का पंचनामा भी किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। किसानों का आरोप है कि प्रशासन की उदासीनता के कारण उनकी पुश्तैनी खेती प्रभावित हो रही है और परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। किसान संजय पाटिल ने आरोप लगाया कि गोदाम निर्माण से जुड़े लोग दलालों के माध्यम से उन पर जमीन बेचने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि आज जमीन बेच दी तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा, इसलिए सरकार उन्हें न्याय दिलाए। वहीं किसान संतोष भोईर ने कहा कि पिछले दो वर्षों से लगातार सरकारी कार्यालयों में आवेदन देने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इस संबंध में भिवंडी के तहसीलदार अभिजीत खोले से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका, इसलिए उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में बी. टी. गायकवाड़ इंग्लिश मीडियम स्कूल ने शानदार प्रदर्शन कर 8 पदकों पर जमाया कब्जा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। बी.टी. गायकवाड़ इंग्लिश मीडियम स्कूल, नांदीवली (कल्याण) के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की सुपर-8 काता टैलेंट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण, 1 रजत और 6 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय, अभिभावकों और कल्याण शहर का नाम रोशन किया। इस राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन कराटे स्पोर्ट्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ ठाणे द्वारा सेंसेई नासिर मुलानी के नेतृत्व में कोली समाज हॉल, सिडको बस स्टॉप, ठाणे में किया गया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न जिलों और राज्यों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अर्नव गडाडे ने स्वर्ण पदक, आर्यन बार्हे ने रजत पदक, जबकि यागिनी बारी, तरुण गुप्ता, पार्थ आव्हाड, करण बार्हे, अर्नव भगत और जेन सैयद ने कांस्य पदक

जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के लिए ग्रैंड मास्टर डॉ. राजाराम लक्ष्मीनारायण देवसानी (संस्थापक एवं अध्यक्ष, BYMA ऑफ इंडिया) तथा ग्रैंड मास्टर अशोक लक्ष्मीनारायण देवसानी (सचिव, BYMA ऑफ इंडिया) ने विशेष प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन एवं प्राचार्या ने सभी पदक विजेता विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय के विद्यार्थी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

रामानंद संप्रदाय ने एक भक्त-एक वृक्ष के तहत पालघर जिले में लगाये 5527 पौधे

पालघर(उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण व हरित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु श्रीमद रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी के मार्गदर्शन में रामानंद संप्रदाय द्वारा देशभर में 5 जुलाई से 19 जुलाई तक एक भक्त-एक वृक्ष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत देशभर के लाखों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इसी कड़ी में पालघर जिले के पालघर, दहानू व तलासरी तहसीलों के श्रद्धालुओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिले के विभिन्न गांवों में कुल 5,527 पौधों का रोपण किया गया। अभियान के दौरान फलदार, छायादार एवं पर्यावरण के लिए उपयोगी पौधे लगाये गये तथा उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। रामानंद संप्रदाय की ओर से बताया गया कि इस वर्ष पूरे भारत में 6,18,009 पौधों का रोपण किया गया है। संप्रदाय का यह अभियान केवल वृक्ष लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वच्छ वातावरण तैयार करने का भी संदेश देता है। इस अवसर पर संप्रदाय के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति की रक्षा ही मानव जीवन की सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

केराकत दवा लेने गई दो युवतियां लापता

परिजनों ने पुलिस से लगाई तलाश की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के मुफ्तीगंज चौकी क्षेत्र अंतर्गत अहन बस्ती की दो युवतियां दवा लेने के लिए केराकत गई थीं, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटीं। दोनों के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई।

परिजनों के अनुसार, दोनों युवतियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनके मोबाइल फोन बंद मिले। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने मुफ्तीगंज चौकी पहुंचकर प्रार्थना पत्र देते हुए पुलिस से तलाश की गुहार लगाई। पुलिस ने प्रार्थना पत्र प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, परिजन दोनों युवतियों की सकुशल वापसी की उम्मीद में चिंतित हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाने के साथ अन्य आवश्यक पहलुओं पर भी जांच कर रही है।

अभिताश गुप्ता अध्यक्ष, आशीष गुप्ता सचिव व राजेन्द्र बने कोषाध्यक्ष

क्लब के सेवा कार्य ही क्लब की पहचान है: सौरभकान्त | लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का चतुर्थ अधिष्ठापन समारोह सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की स्थानीय शाखा लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का? चतुर्थ अधिष्ठापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह रविवार को देर शाम नगर के एक होटल में पूरे हर्षोल्लास पूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुल्तानपुर से पधारे पूर्व मंडलाध्यक्ष ला.सौरभकांत ने कहा लायंस क्लब सेवा परमोधर्म की भावना के साथ अपने से कम भाग्यशाली लोगों की सेवा में तत्पर रहते हुए अनेकों देशों में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा क्लब के सेवा कार्य ही क्लब को समाज में पहचान दिलाता है लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा वर्ष भर किए गए प्रमुख कार्यो में रक्तदान, अनेकों सेवा कार्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य शिविर इत्यादि की गवाही हाल में लगे बैनर दे रहे हैं जो निश्चित रूप से प्रसशंनीय है क्लब से जुड़ कर आप प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दोनों रूप से समाज के कम भाग्यशाली लोगों की सेवा कर सकते हैं।

इस्टालिंग आफिसर काशी से पधारे पूर्व मंडलाध्यक्ष ला.बलबीर सिंह बग्गा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अभिताश गुप्ता सहित सभी कैबिनेट सदस्यों को उनके कर्तव्यों का बोध कराते हुए अधिष्ठापित किया! नवनिर्वाचित अध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए सभी सदस्यों से वर्ष भर सहयोग की अपेक्षा किया।

कार्यक्रम की शुरूआत मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन पश्चात ध्वज वंदना व श्री गणेश जी की स्तुति उपरांत अतिथियों के माल्यार्पण व सम्मान से हुआ।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में पूर्व सचिव अजय सोनकर ने सचिव रिपोर्ट पढ़ा तत्पश्चात अध्यक्ष संजीव साहू ने अध्यक्षीय उद्बोधन पश्चात अपने कार्यकाल के सहयोगियों को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि के हाथों मेमेंटो व गिफ्ट भेंटकर सभी का सम्मान किया! पूर्व फर्स्ट लेडी लायन रेनू बैंकर ने ध्वज वंदना का पाठ किया वहीं कार्यक्रम का शानदार संचालन पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर व पूर्व सचिव अजय सोनकर ने संयुक्त रूप से किया।

इस मौके पर कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सेठ ने मुख्य अतिथि के हाथों लकी ड्रा कराया जिसके विजेता सन्तोष अग्रहरि, मनोज साहू, रूपेश कसौधन, विनोद अग्रहरि, सन्नी चौधरी रहें! कार्यक्रम संयोजक आनंद साहू विनय कुमार साहू रहे , कार्यक्रम में प्रदीप प्रधान, विष्णु गौड़, रवि शर्मा, सचिव आशीष गुप्ता,रसाल बरनवाल, नवीन साहू सिद्धार्थ साहू जितेंद्र सोनी अमित गुप्ता ऋषि श्रीवास्तव वैभव प्रधान विवेक गुप्ता रवि गुप्ता दीपशिखा चौरसिया अजय नाथ जायसवाल संजय जयसवाल राजा रमन राकेश साहू, गोपाल साहू,राजेश अग्रहरि सहित संस्था के अन्य सदस्यों ने मिलकर कार्यक्रम को भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा कार्यक्रम संयोजक विनय साहू ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता व पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने नवचयनित कैबिनेट को अपनी शुभकामनाएं देते हुए क्लब के कार्यों की सराहना किया।अध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने क्लब में सक्रियता के लिए डा.संजीव मौर्य, राजकुमार जायसवाल, संदीप जायसवाल, सन्नी चौधरी, डा.दिलीप विश्वकर्मा, रजनीश केशरी को लायंस पिन से सम्मानित किया।

इस अवसर पर लायंस क्लब के जोन चेयरपर्सन डा.राजेश मौर्य,रिजन चेयरपर्सन मनीष अग्रहरि, डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रतिमा गुप्ता, सै.मुस्तफा हुसैन, मनीष गुप्ता, व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी, राधेरमण जायसवाल, निखिलेश सिंह, विवेक सिंह, प्रदीप सिंह रिंकू, उर्वशी सिंह, रजनी साहू, प्रीति गुप्ता, लेडी लायन विभा गुप्ता, पूर्व लेडी लायन प्रीति गुप्ता,एकता गुप्ता, सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार सेठ, हर्ष माहेश्वरी जेसीआई के पूर्व अध्यक्ष राकेश जयसवाल भारतीय जनता पार्टी की नगर अध्यक्ष सारिका सोनी दिलीप सिंह, प्रदीप सिंह सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

अलफारूक पब्लिक स्कूल में ईको क्लब के तत्वावधान में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

सुईथाकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर क्षेत्र के अल्फारूक पब्लिक स्कूल के ईको क्लब के तत्वावधान में विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए लगभग सौ से पौधे लगाए तथा लोगों को स्वच्छ, शुद्ध एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं उनकी नियमित देखभाल की जिम्मेदारी लेने का भी संकल्प लिया।

कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या श्रीमती कनीज फातिमा के दिशा-निर्देशन में किया गया। ईको क्लब के सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय की हाउस कैबिनेट के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में ब्लू हाउस प्रथम, रेड हाउस द्वितीय, येलो हाउस तृतीय तथा ग्रीन हाउस ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। सभी हाउस के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में वृक्षों की अहम भूमिका है। वृक्ष वातावरण को स्वच्छ एवं शुद्ध रखने के साथ-साथ मानव जीवन को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी हमारा नैतिक कर्तव्य है।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वच्छ हैं तो जीवन है। यदि हम आज अधिक से अधिक पेड़ लगाएंगे और उनकी रक्षा करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, स्वस्थ वातावरण और बेहतर भविष्य मिल सकेगा। उन्होंने ईको क्लब की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालयों में ईको क्लब विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने और उन्हें प्रकृति संरक्षण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के अध्यापकगण सुशील, सुधीश सिंह, बसंत कुमार मिश्रा, पवन कुमार, जमीर अहमद, अमित कुमार, साधना सिंह, अमृता यादव, सबीहा खान, जेबा खान, मिस्बा खान, माहेरा, गुफरान, मरियम खान, सफाक खान, माला सिंह, दीक्षा सिंह, संजू यादव कोमल एवं सावित्री का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा। शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पौधों की देखभाल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण का संदेश गूंजता रहा।

विवाहिता ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज थाना क्षेत्र के रायपुर कला गांव में सोमवार देर रात एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना घरेलू विवाद का बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान लगभग 30 वर्षीय रीना पटेल के रूप में हुई है, जो दिलीप पटेल की पत्नी थीं। घटना की सूचना मिलते ही सुजानगंज थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की।

रीना की शादी लगभग नौ वर्ष पहले हुई थी और उनके दो छोटे बच्चे हैं। बड़ी बेटी परी 5 वर्ष की है और बेटा दिवांस उर्फ गोलू 4 वर्ष का है। शुरूआती जांच में पति-पत्नी के बीच घरेलू कलह को आत्महत्या का संभावित कारण माना जा रहा है। वहीं पर मृतका के पिता ने थाने में लिखित तहरीर दी है और उन्होंने आरोप लगाया कि उनके दामाद और बेटी के बीच आए दिन विवाद होता रहता था। उन्होंने बताया कि लगभग एक महीने पहले उनकी बेटी ने अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर सुजानगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन तब आपसी सहमति से सुलह हो गई थी।

पिता के अनुसार, सोमवार देर शाम उन्हें फिर से घर में विवाद होने की सूचना मिली और उसके बाद रात में बेटी की आत्महत्या की खबर मिली। उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

थाना प्रभारी अमित कुमार पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला घरेलू विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। उन्होंने पुष्टि की कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा गया है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा विस्तृत जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जंघई स्टेशन पर ट्राली बैग में बम की सूचना से मचा हड़कंप, 2 घंटे तक चला सर्च ऑपरेशन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह ट्राली बैग में बम होने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही आरपीएफ, जीआरपी और मीरगंज पुलिस ने स्टेशन पर लगभग 2 घंटे तक सघन तलाशी अभियान चलाया। जांच में कुछ नहीं मिलने पर पुलिस ने राहत की सांस ली। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 6.20 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने जंघई जीआरपी को फोन कर सूचना दी कि प्लेटफार्म नंबर एक पर एक ट्राली बैग में बम रखा है और उसमें से आवाज आ रही है। सूचना मिलते ही जीआरपी ने तत्काल रेलवे कंट्रोल, आरपीएफ, जीआरपी और मीरगंज पुलिस को अलर्ट किया। थानाध्यक्ष मीरगंज अरविंद सिंह हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने आरपीएफ और जीआरपी के साथ मिलकर प्लेटफार्म नंबर 1 से 5 तक, यात्रियों के बैग और स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया का चप्पा-चप्पा छान मारा। लगभग 2 घंटे तक चले इस सर्च ऑपरेशन के दौरान स्टेशन पर अफरातफरी का माहौल रहा। तलाशी में कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद भी एहतियातन प्रयागराज से बम निरोधक दस्ते को सूचना देकर बुलाया गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष मीरगंज अरविंद सिंह ने बताया कि ऽबम की सूचना पर पूरे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया गया। कहीं कुछ नहीं मिला है। एहतियात के तौर पर बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है। सूचना देने वाले के बारे में भी जांच की जा रही है।

हाईकोर्ट के आदेश पर गरजा बुलडोजर, सरकारी चकमार्ग से हटाया गया अवैध कब्जा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील के रामपुर ब्लॉक स्थित परमालपुर गांव में हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने सरकारी चकमार्ग से अवैध कब्जा हटाने की बड़ी कार्रवाई की। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर करीब 75 मीटर लंबे सरकारी चकमार्ग को कब्जामुक्त कराया गया।

जानकारी के अनुसार, सरकारी चकमार्ग पर पूर्व ग्राम प्रधान द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत पर मामला न्यायालय पहुंचा था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण हटाया और सरकारी भूमि को मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों में हड़कंप मच गया है।

नाली निर्माण में लापरवाही से हादसे का खतरा, लोगों में आक्रोश

सुशील कुमार तिवारी

ओबरा,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत ओबरा के वार्ड संख्या 14 भलुआ टोला (कुरैशनगर) में चल रहे नाली निर्माण कार्य में कथित लापरवाही से स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। आरोप है कि निर्माण के दौरान पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई, जिससे सड़क पर कई स्थानों पर जलभराव हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इसी मार्ग के पास ओबरा नगर को बिजली आपूर्ति करने वाला 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र, गजराज नगर सेक्टर-10 स्थित है। जलभराव वाले क्षेत्र से 11 केवी की भूमिगत विद्युत केबल भी गुजर रही है। लोगों का कहना है कि यदि केबल किसी कारण क्षतिग्रस्त हुई तो उसमें पानी भरने से विभाग को आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ आमजन की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।

निवासियों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी कई बार नगर पंचायत को दी गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इससे क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि जल निकासी की तत्काल व्यवस्था कर संभावित दुर्घटना को टाला जाए। उनका कहना है कि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

सड़क पार करते समय बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत, बाइक सवार घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के लाला बाजार में मंगलवार सुबह सड़क पार करते समय एक वृद्ध बाइक की चपेट में आ गए, जिससे उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पोखरियापुर गांव निवासी 60 वर्षीय शुभम निषाद बाजार में सामान खरीदने आए थे। सुबह करीब 10:30 बजे सामान लेकर सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आ गए। बाइक चला रहे परमेश कुमार यादव, निवासी बोधापुर (थाना सिकरारा), भी संतुलन खोकर सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल शुभम निषाद को 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल भेजा, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल बाइक सवार को परिजन निजी चिकित्सालय में भर्ती कराकर इलाज करा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

एकादशी पर शिवभक्तों का महासंगम, 9 अगस्त को होगा पार्थिव शिवलिंग पूजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पवित्र श्रावण मास के अवसर पर असंख्यात पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं महाभिषेक का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक कार्यक्रम 9 अगस्त 2026, रविवार को एकादशी तिथि के अवसर पर शिव मंदिर, मंगदपुर में आयोजित होगा। आयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का पूजन-अर्चन एवं महाभिषेक संपन्न कराया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है। कार्यक्रम के संयोजक आचार्य पंडित रमेश चंद्र शुक्ला ने बताया कि श्रावण मास में पार्थिव शिवलिंग पूजन का विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

करेंट के चपेट में आने से मजदूर की हुई मौत

वाराणसी(उत्तरशक्ति) जनपद के राजातालाब स्थानीय थाना क्षेत्र के मातलदेई पुलिस चौकी अंतर्गत राजापुर गांव में शिव शंकर मौर्य के मुर्गी फार्म पर सोमवार को गोविंदपुर निवासी प्रेम कुमार वर्मा नामक लगभग 40 वर्षीय मजदूर की बिजली की करंट के चपेट में आने से मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजापुर गांव में शिव शंकर मौर्य के मुर्गी फार्म पर रोज की भांति मजदूर प्रेम कुमार वर्मा ने बीती रात में खाना खाकर सोने चला गया था। सोमवार को सुबह जब शिव शंकर मौर्य अपने मुर्गी फार्म पर गए तो देखा कि मजदूर प्रेम वर्मा अचेतावस्था में पड़े हुए थे। मुर्गी फार्म मालिक शिव शंकर मौर्य ने प्रेम कुमार वर्मा के परिजनों को सूचना देते हुए इलाज के लिए आनन फानन में कबीर चौरा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाते ही परिवार वालों में कोहराम मच गया और पत्नी संगीता सहित परिवार वालों का रो रो का बुरा हाल हो गया।मृतक चार भाइयों में सबसे बड़े थे जिनको एक लड़का व लड़की है। पुलिस ने मृतक की शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा।

दीक्षांत की श्रृंखला में स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

◆ छात्राओं ने कराया चिकित्सकीय परीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह के पूर्व आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत छात्राओं के लिए विशेष स्वास्थ्य एवं चिकित्सकीय जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 91 छात्राओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम विश्वविद्यालय पहुंची। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक चिकित्सकीय सलाह भी दी गई।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि ऽनियमित स्वास्थ्य परीक्षण से बीमारियों की समय रहते पहचान हो जाती है, जिससे उनका प्रभावी उपचार संभव हो पाता है। स्वस्थ विद्यार्थी ही बेहतर शिक्षा प्राप्त कर समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान: नामांकन रैली को बीईओ ने दिखाई हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लॉक स्तरीय स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत सोमवार को कंपोजिट विद्यालय आदर्श केराकत से भव्य नामांकन रैली निकाली गई। रैली को खंड शिक्षा अधिकारी केराकत रविशंकर यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में शामिल नन्हे-मुन्ने बच्चों ने हाथों में जागरूकता तख्तियां लेकर 'सब पढ़ें, सब बढ़ें', 'हर बच्चा स्कूल जाए' जैसे नारों के साथ नगर में लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। बच्चों का उत्साह और जोश देखते ही बन रहा था।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ केराकत के ब्लॉक अध्यक्ष शिव बचन यादव, ब्लॉक मंत्री धर्मेंद्र कुमार, समस्त नोडल संकुल, सभी एआरपी, विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि तथा ब्लॉक के बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। खंड शिक्षा अधिकारी रविशंकर यादव ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना तथा कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए जन-जन को जागरूक करना है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का समय से विद्यालय में नामांकन कराने और नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। रैली के दौरान शिक्षा के महत्व का संदेश देते हुए सभी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शत-प्रतिशत नामांकन का संकल्प लिया।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में तहसील बार का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में मंगलवार को तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन कर घटना की कड़ी निंदा की। अधिवक्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया।

धरने का नेतृत्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश राम एवं महामंत्री हीरेंद्र यादव ने किया। वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने वाले छात्रों पर बल प्रयोग दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को छात्रों की समस्याओं का समाधान संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से करना चाहिए।

अध्यक्ष सुरेश राम ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और सरकार को संवेदनशीलता के साथ छात्रों की बात सुननी चाहिए। पूर्व अध्यक्ष नमनाथ शर्मा ने कहा कि छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का न्यायसंगत समाधान किया जाना चाहिए।

अधिवक्ता अनिल सोनकर गांगुली ने कहा कि लोकतंत्र में छात्रों की आवाज बल प्रयोग से नहीं, बल्कि संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से सुनी जानी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, जिसका सम्मान किया जाना चाहिए।

धरना-प्रदर्शन में शारदा प्रसाद यादव, कुंवर बहादुर यादव, राजनारायण, दिनेश पांडेय, प्रवीण शर्मा, अमरीश यादव, रवीनाथ मिश्रा, विष्णु उपाध्याय, उदय राज कनौजिया, रितेश, संजय यादव एवं मनोज मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे से शिष्टाचार भेंट, जनहित के मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा

ठाणे। आज ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे से शिष्टाचार भेंट का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान प्रमोद अशोक दुबे (शिवसेना, ठाणे उत्तर भारतीय मोर्चा) तथा श्री दीपक गुप्ता (डीएलजी फिल्म प्रोड्यूसर) भी उपस्थित रहे। बैठक में कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा, सामाजिक समन्वय तथा विभिन्न जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। साथ ही ठाणे शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा नागरिकों की समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए प्रशासन और समाज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर सभी ने जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समाजहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

राजन नाईक ने विनोद तावड़े को जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

मुंबई। नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने मनोज बारोट के साथ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े से उनके विले पार्ले स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विधायक राजन नाईक ने विनोद तावड़े के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। भेंट के दौरान मनोज बारोट ने भी विनोद तावड़े को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की मंगलकामना की।

सुरेश प्रजापति बने भाजपा स्थानिक माथाडी कामगार सेना के जिला उपाध्यक्ष

वसई-विरार। भारतीय जनता पार्टी की स्थानिक माथाडी कामगार सेना में सुरेश प्रजापति को वसई-विरार जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। इस नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष सुरेश प्रजापति ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए माथाडी कामगार बंधुओं और आम जनता की सेवा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, वरिष्ठ पदाधिकारियों और सभी कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी द्वारा जताए गए विश्वास पर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के मूल मंत्र ?सेवा ही संगठन, संगठन ही सेवा? को आत्मसात करते हुए वे संगठन को मजबूत बनाने और कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

समाजसेवी नवनीत दुबे का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

वसई। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के जनसंपर्क कार्यालय में भाजपा नेता एवं समाजसेवी नवनीत दुबे का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने केक काटकर नवनीत दुबे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखद और दीघार्यु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में नवीन दुबे, मयंक दुबे सहित परिवार के सदस्यों ने भी जन्मदिन समारोह में भाग लिया। बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे और सभी ने नवनीत दुबे को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर वसई-विरार महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 23 की नगरसेविका निम्मी दोशी, अपर्णा पाटिल, समाजसेवी निपुण दोशी, मयंक सेठ तथा मार्कण्ड पांडे ने भी उपस्थित रहकर नवनीत दुबे को शुभकामनाएं दीं। वहीं उत्तर शक्ति न्यूज के रिपोर्टर नरेंद्र सोनी ने भी नवनीत दुबे को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सफल और दीघार्यु जीवन की मंगलकामना की। समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और उपस्थित सभी लोगों ने जन्मदिन को यादगार बनाया।

बैंक फ्रॉड के आरोपी की 1.41 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क, करोड़ों की ठगी मामले में कार्रवाई

पिपरी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सिटी म्युचुअल बेनिफिशियल बैंक के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये की कथित ठगी करने के आरोपी भागीरथी मौर्या के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी करीब 1.41 करोड़ रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्ति कुर्क कर दी।

जानकारी के अनुसार, अनपरा थाना में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 149/2025 (धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 316(2) बीएनएस) में आरोपी भागीरथी मौर्या, पुत्र रमापति मौर्या, निवासी मुँहकुचवां राजपुर, थाना कोतवाली देहात, मिजार्पुर (वर्तमान पता- पद्मिनी होटल के पास, मुर्धवा, रेणुकूट) पर सिटी म्युचुअल बेनिफिशियल बैंक के नाम पर अनपरा, रेणुकूट, पिपरी, रॉबर्ट्सगंज सहित कई क्षेत्रों के लोगों से धनराशि हड़पने का आरोप है। अपर सिविल जज (सीडी)/एसीजेएम, सोनभद्र ने मुकदमा संख्या 767/26 (राज्य बनाम भागीरथी मौर्या) में धारा 107 बीएनएसएस के तहत आरोपी की अपराध से अर्जित संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में एसडीएम दुद्धी रवि पासवान तथा पिपरी क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस टीम ने मुर्धवा स्थित आराजी संख्या 557ग की भूमि, उस पर निर्मित मकान, कटौधी स्थित आराजी संख्या 97क की भूमि तथा आरोपी के नाम दर्ज किया सोनेट (UP64AV5255) को नियमानुसार कुर्क किया। प्रशासन के अनुसार कुर्क की गई संपत्तियों में मुर्धवा स्थित भूमि की कीमत लगभग 17.55 लाख रुपये, मकान की कीमत 1.09 करोड़ रुपये, कटौधी स्थित भूमि की कीमत 4.10 लाख रुपये तथा वाहन की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये आंकी गई है। कुल मिलाकर लगभग 1.41 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आर्थिक अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध आगे भी कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

भाजपा ओबीसी मोर्चा मुंबई की नई कार्यकारिणी घोषित,शरद चिंतनकर मोर्चा के अध्यक्ष, गंगाराम विश्वकर्मा उपाध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जिसने ओबीसी समाज के मान-सम्मान, अधिकारों और समग्र विकास की वास्तविक चिंता करते हुए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिलना ओबीसी समाज के राजनीतिक सशक्तिकरण की ऐतिहासिक उपलब्धि है।

दादर (पूर्व) स्थित भाजपा मुंबई कार्यालय वसंत स्मृति में भाजपा ओबीसी मोर्चा मुंबई द्वारा आयोजित ओबीसी समाज सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित साटम ने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद ओबीसी वर्ग के युवाओं को शिक्षा, स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकारें ओबीसी समाज के चहुंमुखी विकास के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से भाजपा के साथ जुड़कर समाज के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान भी किया। भाजपा मुंबई महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़कर उसे आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि पार्टी सामाजिक समरसता और समावेशी विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। भाजपा ओबीसी मोर्चा मुंबई अध्यक्ष शरद चिंतनकर

ने कहा कि ओबीसी समाज भारतीय लोकतंत्र की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था की मजबूत रीढ़ है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाला यह वर्ग लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज के सभी वर्गों तक भाजपा की नीतियों और योजनाओं को पहुंचाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर भाजपा मुंबई सचिव एवं ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य प्रतीक कर्पे ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। सम्मेलन के दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा मुंबई की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। नई टीम में अनुभवी पदाधिकारियों के साथ युवा एवं नए चेहरों को भी स्थान देकर संगठनात्मक संतुलन बनाने का प्रयास किया गया।

नई कार्यकारिणी में चंद्रशेखर चिलिवेरी, प्रशांत हडकर, शिवनाथ दराडे, लालसाहेब उबाले, मदन कुशवाहा, सुदेश चिंत्राते, रुपेश मानकर, गणेश परवडी और रामदास मसूरकर को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संजीव पटेल, जितेंद्र कनोजिया, तुकाराम कोली, तृषाली भास्कर, एडवोकेट छांगुर चौहान और को महासचिव बनाया गया है। वहीं विजय बांदिवडेकर, रामशब्द शर्मा, सूर्यकांत गवली, प्रशांत काटकर, संगेश व्हट्टे, विवेक भोईर और राजेंद्र सालसकर को सचिव तथा दिनेश यादव को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मेलन में स्वागत किया गया। उपस्थित कार्यकताओं ने नई कार्यकारिणी का जोरदार स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी संगठनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों को गति देने का संकल्प व्यक्त किया।

इंदौर केशर बाग निवासी पंडित नरेन्द्र तिवारी के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के केशर बाग चौकी निवासी पंडित नरेन्द्र तिवारी का जन्मदिन 21 जूलाई 2026 दिन मंगलवार को बड़े धूमधाम से मनाया गया। पंडित नरेन्द्र तिवारी के जन्मदिन 21 जूलाई को यादगार बनाने के उद्देश्य से जाने माने लोगों की उपस्थिति में उनके कार्यालय पर मनाया और जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थित में केक काटा गया, इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ नरेंद्र तिवारी को जन्मदिन की मंगल बधाई देते हुए उनका मुँह मीठा कराया। उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यो की भूरि-भूरि सराहना करते हुए पुष्प हारों से ढंक दिया। बड़े पुत्र अमित तिवारी, बिल्डर व डेवलपर सुमित तिवारी , दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित तिवारी,

पत्नी श्रीमती स्वर्णलता नरेंद्र तिवारी, मानसी प्रणित तिवारी, सोनिया अमित तिवारी, नम्रता तिवारी, ?श्रीमती किरन बाजपेई , समाजसेवी गोविंद सोनी, प्रदीप व्यास, व्यवसाई राजा अरोरा, दिपेश पाण्डेय, रुपेश शर्मा, अतुल बैरागी सहित कई लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी । दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के परिवार को तरफ से संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने भी जन्मदिन की बहुत बहुत हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं । उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने कहा कि आप ब्राह्मण समाज के आधारस्तम्भ ही नही समाज के गौरव हैं, कर्णधार हैं उनकी एकता के मुख्य सूत्रधार है,समाज के लिए आपका योगदान अकथनीय है,आप एक बेहद ही उत्कृष्ट व्यक्तित्व,मृदुभाषी,और बेहद ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति है,सरलता ही आपकी पहचान है, आपने समाज के लिए खुद को पूर्ण समर्पण कर दिया है आप केशर बाग चौकी के सभी समस्याओं को पूर्ण रूप से बिना किसी भेद भाव हल करते हैं। समाज के सबसे लोकप्रिय व्यक्तियों में आप अग्रणी पंक्ति में आते है, सब के दुःख सुख में बराबर के सहभागी बनते है,बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के समाज की सेवा की है और करते भी रहेंगे,समाज सेवा के साथ साथ आप देश सेवा में भी अपना योगदान दे रहे है,आप हम सभी लोगो के प्रेरणाश्रोत है,प्रभु से प्रार्थना है की आप जीवन में ऐसे ही तरक्की करते रहे और नित्य नई ऊंचाइयों को छूते रहे,स्वस्थ रहे,सुखी रहे, पुनः जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई ।

इंदौर में चाचा की हत्या कर भतीजे ने चली बड़ी चाल, 48 घंटे में ही साजिश का पदार्फाश

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के इंदौर में राजनगर क्षेत्र में हुए कमल कुमावत हत्याकांड का पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है. इस मामले में पुलिस ने मृतक के 19 वर्षीय भतीजे चेतन कुमावत को गिरफ्तार किया है. शुरूआती जांच में यह मामला सामान्य हत्या जैसा दिखाई दे रहा था. लेकिन पुलिस की सतर्कता, पूछताछ और जुटाए गए सबूतों के आधार पर हत्या की पूरी कहानी सामने आ गई.इंदौर पुलिस के मुताबिक, 50 वर्षीय कमल कुमावत की हत्या रविवार देर रात उनके घर में की गई थी. इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. पुलिस ने परिवार के सदस्यों और आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ की. इसी दौरान मृतक के भतीजे चेतन कुमावत से भी पूछताछ की गई। पुलिस को उसके जवाबों में लगातार बदलाव नजर आया. कई सवालों पर उसके बयान मेल नहीं खा रहे थे, जिसके बाद पुलिस का शक उस पर गहराने लगा. सख्ती से पूछताछ करने पर आखिरकार चेतन ने हत्या की बात स्वीकार कर ली।

देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार के जन्मदिन कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर बैठक

वसई। विधायक पब्लिक रिलेशन ऑफिस, वसई वेस्ट में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले 'छत्रपति शिवाजी महाराज महसूल सर्व दाखले शिविर' और विशाल रक्तदान शिविर की तैयारियों को लेकर एक विशेष योजना बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शिविरों के सफल आयोजन के लिए विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। आम नागरिकों को अधिकतम लाभ पहुंचाने हेतु आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियां तथा रक्तदान शिविर के प्रभावी संचालन सहित सभी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

सामाजिक सरोकार और जनसेवा की भावना को केंद्र में रखते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दोनों कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में आयोजकों ने जनभागीदारी बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों तक इन जनहितकारी कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया।

मेयर मैराथन के बढ़ते खर्च पर विपक्ष का एतराज, वित्तीय पारदर्शिता की मांग तेज

वसई-विरार। वसई-विरार महानगरपालिका द्वारा आयोजित होने वाली 13वीं मेयर मैराथन के प्रस्ताव पर 17 जुलाई 2026 को हुई महासभा में जमकर बहस हुई। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए वित्तीय एवं प्रशासनिक मंजूरी का प्रस्ताव आते ही विपक्ष ने बढ़ते खर्च और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर प्रशासन को घेर लिया। विपक्ष के नेता मनोज पाटिल ने आरोप लगाया कि महासभा के समक्ष केवल खर्च का विवरण रखा गया, जबकि प्रतियोगिता से प्राप्त होने वाली एंट्री फीस, प्रायोजकों (स्पॉन्सर्स) से मिली राशि और कुल आय का कोई स्पष्ट ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने मांग की कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या, उनसे प्राप्त शुल्क तथा प्रायोजन राशि का पूरा हिसाब सार्वजनिक किया जाए। मनोज पाटिल ने कहा कि महासभा में किसी भी प्रस्ताव को लाने से पहले प्रशासन का दायित्व है कि वह सभी वित्तीय आंकड़े प्रस्तुत करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि महासभा की कार्यवाही भविष्य का आधिकारिक रिकॉर्ड होती है, इसलिए आय और व्यय दोनों का विवरण उसी में दर्ज होना चाहिए। उन्होंने सभी वित्तीय लेन-देन पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग भी की।

उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम प्रबंधन, फोटोग्राफी, आर्टवर्क और सजावट जैसे मदों पर लाखों रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि इन खर्चों का स्पष्ट लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं कराया गया। विपक्ष का दावा है कि प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 58 हजार प्रतिभागी शामिल होते हैं, जिनमें से करीब 40 हजार प्रतिभागी 800 रुपये की पंजीकरण फीस जमा करते हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रायोजकों से भी बड़ी राशि प्राप्त होती है, लेकिन यह धन नगर निगम के खाते में किस प्रकार जमा और खर्च किया जाता है, इसकी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है।

महासभा में प्रशासन ने जवाब दिया कि मांगी गई जानकारी दो दिनों के भीतर उपलब्ध करा दी जाएगी, लेकिन विपक्ष ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि प्रस्ताव के साथ ही सभी आंकड़े प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इस वर्ष मेयर मैराथन के आयोजन के लिए महानगरपालिका ने 3 करोड़ 95 लाख रुपये का प्रावधान किया है। विपक्ष ने सवाल उठाया कि पिछले वर्ष जहां अनुमानित खर्च 2.5 करोड़ रुपये था और शुरूआती वर्षों में यह प्रतियोगिता लगभग 1 करोड़ रुपये के बजट में आयोजित होती थी, वहीं खर्च में लगातार हो रही वृद्धि का आधार क्या है।

विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि प्रतियोगिता के आयोजन और उसके स्वरूप पर लंबे समय से राजनीतिक प्रभाव रहा है। मैराथन के शुरूआती स्थल, रूट और आयोजन से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर भी पहले से विवाद होते रहे हैं।

हालांकि, तीखी बहस और विरोध के बावजूद सत्तापक्ष ने अपने बहुमत के आधार पर मेयर मैराथन के प्रस्ताव को मंजूरी दिला दी। इसके बाद नगर निगम के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में इस मुद्दे को लेकर चर्चा तेज हो गई।

नवजात के इलाज के लिए आगे आया उद्योग व्यापार मंडल, पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उद्योग व्यापार मंडल शाहगंज ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए आर्थिक तंगी से जूझ रहे एक परिवार की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। मंडल के नगर अध्यक्ष अर्पित जायसवाल ने चाइल्ड केयर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल पहुंचकर उपचाराधीन नवजात का हाल जाना और परिवार को इलाज में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। जानकारी के अनुसार, किछौछा दरगाह निवासी नाजिया परवीन अपने गंभीर रूप से बीमार नवजात के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हैं। सहायता की गुहार लेकर वह उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अर्पित जायसवाल के पास पहुंचीं। मामले की जानकारी मिलते ही अर्पित जायसवाल देर रात अस्पताल पहुंचे और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. महफूज से नवजात की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली।

चिकित्सक से उपचार संबंधी

जानकारी लेने के बाद उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने इसे सामाजिक संवेदनशीलता और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बताया। नगर अध्यक्ष अर्पित जायसवाल ने कहा कि उद्योग व्यापार मंडल केवल व्यापारियों के हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों के साथ हर कठिन समय में खड़ा रहना भी संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने व्यापारियों से ऐसे मानवीय कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उद्योग व्यापार मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष रविकांत जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्येंद्र मोदनवाल, मोहम्मद इरशाद, सह-कोषाध्यक्ष अश्वनी अग्रहरि सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे। सभी ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा जताया।

600 ग्राम के जुड़वा नवजातों को मिली नई जिंदगी, डॉक्टर महफूज की देखरेख में खतरे से बाहर

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समय से पूर्व जन्मे और मात्र 600 ग्राम वजन वाले जुड़वा नवजातों को शाहगंज के चाइल्ड केयर हॉस्पिटल में सफल उपचार के बाद नई जिंदगी मिली है। कई अस्पतालों से निराश लौटे परिजनों के लिए बाल एवं नवजात रोग विशेषज्ञ डॉ. महफूज उम्मीद की किरण बने। उनकी देखरेख में उपचार के बाद दोनों बच्चों की हालत में लगातार सुधार हो रहा है और चिकित्सकों ने उन्हें फिलहाल खतरे से बाहर बताया है। बदलापुर निवासी रहमा पत्नी मोहम्मद अमीन को लगभग एक माह पूर्व समय से पहले प्रसव पीड़ा हुई। जौनपुर के एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के जरिए जुड़वा बच्चों का जन्म हुआ। जन्म के समय दोनों नवजातों का

वजन करीब 600 ग्राम था, जिसे चिकित्सा विज्ञान में एक्सट्रीमली लो बर्थ वेट (एछइह) की श्रेणी में रखा जाता है। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। परिजनों ने कई अस्पतालों में इलाज का प्रयास किया, लेकिन बच्चों की नाजुक हालत के कारण कहीं संतोषजनक उपचार नहीं मिल सका। बाद में परिचितों की सलाह पर वे शाहगंज स्थित चाइल्ड केयर हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉ. महफूज ने दोनों बच्चों का इलाज शुरू किया।

लगातार गहन निगरानी, विशेष नवजात देखभाल और चिकित्सकीय उपचार के सकारात्मक परिणाम सामने आए। परिजनों के अनुसार, जन्म के समय करीब 600 ग्राम वजन वाले दोनों बच्चों का वजन अब बढ़कर लगभग 1.1 किलोग्राम तक पहुंच गया है। डॉक्टरों का कहना है कि दोनों नवजातों की स्थिति पहले से काफी बेहतर है और उपचार व निगरानी अभी भी जारी है। बच्चों की सेहत में सुधार से खुश परिजनों ने डॉ. महफूज और अस्पताल की पूरी टीम का आभार जताते हुए कहा कि जब लगभग सभी जगह उम्मीद टूट चुकी थी, तब शाहगंज के चाइल्ड केयर हॉस्पिटल ने उनके बच्चों को नई जिंदगी दी।

'बूथ से बनेगा भविष्य' : 2027 के रण की पहली बिगुल, भाजपा ने संगठन को चुनावी मोर्चे पर उतारा

-सुरेश गांधी

वाराणसी। भाजपा भले ही स्वयं को वर्षभर चुनावी मोड में रहने वाला राजनीतिक दल मानती हो, लेकिन मंगलवार, 22 जुलाई का दिन उत्तर प्रदेश की राजनीति में विशेष महत्व रखने जा रहा है। प्रदेश के सभी 98 संगठनात्मक जिलों में एक साथ होने वाले संगठनात्मक सम्मेलन केवल नियमित संगठनात्मक गतिविधि नहीं हैं, बल्कि इन्हें वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की औपचारिक रणनीतिक शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा का संदेश साफ है–2027 का रास्ता सत्ता के गलियारों से नहीं, बल्कि बूथों से होकर जाएगा।

इसी सोच के साथ पार्टी ने पूरे प्रदेश में संगठन को फिर से सक्रिय करने, कार्यकताओं में नई ऊर्जा भरने और बूथ स्तर तक चुनावी तैयारी को धार देने का अभियान शुरू कर दिया है। सम्मेलन का सबसे बड़ा उद्देश्य यह है कि प्रदेश का प्रत्येक कार्यकर्ता स्वयं को केवल पार्टी का सदस्य नहीं, बल्कि 2027 की चुनावी लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण योद्धा माने। भाजपा की चुनावी रणनीति हमेशा से संगठन आधारित रही है। पार्टी का अनुभव रहा है कि चुनावी सफलता बड़े मंचों, विशाल रैलियों या नारों से अधिक बूथों की मजबूती पर निर्भर करती है। यही कारण है कि इस बार भी शीर्ष नेतृत्व ने बूथ प्रबंधन को ही अपनी रणनीति का केंद्र बनाया है। सम्मेलन में कार्यकताओं को स्पष्ट संदेश दिया जाएगा कि सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन के विस्तार को प्रत्येक घर तक पहुंचाना अब उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह सम्मेलन कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव में अभी समय अवश्य है, लेकिन

भाजपा किसी प्रकार की ढिलाई के पक्ष में दिखाई नहीं दे रही। संगठन चाहता है कि चुनावी वर्ष आने से पहले ही प्रत्येक बूथ समिति पूरी तरह सक्रिय हो, पन्ना प्रमुखों का नेटवर्क मजबूत हो, लाभार्थियों से संपर्क निरंतर बना रहे और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में संगठन की सक्रियता लगातार दिखाई दे। काशी क्षेत्र इस पूरी रणनीति का महत्वपूर्ण केंद्र माना जा रहा है। संगठनात्मक दृष्टि से यहां 16 संगठनात्मक जिले, 14 संगठनात्मक लोकसभा क्षेत्र और 71 संगठनात्मक विधानसभा क्षेत्र हैं। प्रत्येक विधानसभा में लगभग 300 से 400 बूथ हैं। इन बूथों तक संगठन की सक्रियता सुनिश्चित करना सम्मेलन का प्रमुख लक्ष्य रहेगा। वाराणसी का राजनीतिक महत्व अलग ही है। संगठनात्मक रूप से वाराणसी महानगर और वाराणसी जिला दो अलग-अलग इकाइयां हैं, लेकिन संसदीय प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक ही लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। ऐसे में काशी क्षेत्र का प्रदर्शन केवल स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी संदेशवाहक माना जाता है। यही कारण है कि यहां होने वाले संगठनात्मक सम्मेलन पर प्रदेश नेतृत्व की विशेष नजर रहेगी। वाराणसी में आयोजित सम्मेलन के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह होंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। प्रदेश के अन्य संगठनात्मक जिलों में भी मंत्री स्तर के नेता, सांसद, विधायक और वरिष्ठ संगठन पदाधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। पूरे प्रदेश में एक ही दिन, एक ही स्वर और एक ही संदेश के साथ संगठन को सक्रिय करने का यह प्रयास भाजपा की सुनियोजित चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार सम्मेलन में केवल राजनीतिक भाषण नहीं होंगे, बल्कि बूथ समितियों की सक्रियता, सदस्यता विस्तार, पन्ना प्रमुखों की भूमिका, लाभार्थी संपर्क अभियान, सोशल मीडिया नेटवर्क, युवा एवं महिला मोर्चा की भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना पर भी चर्चा होगी। संगठन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि चुनाव की घोषणा से बहुत पहले प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी और लक्ष्य को स्पष्ट रूप से समझ ले। भाजपा की राजनीति का सबसे मजबूत पक्ष उसका संगठन माना जाता है। पिछले एक दशक में पार्टी ने कई चुनावों में इसी संगठनात्मक ताकत के दम पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व इस बढ़त को बनाए रखने के लिए लगातार संगठन को सक्रिय रखने की रणनीति पर काम कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि भाजपा चुनावी अभियान की शुरूआत हमेशा संगठन से करती है और बाद में उसे जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास करती है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्ष 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का सामान्य चुनाव नहीं माना जा रहा। यह चुनाव प्रदेश की राजनीतिक दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण मुकाबला होगा। ऐसे में भाजपा अभी से संगठन को पूरी क्षमता के साथ मैदान में उतारकर यह संदेश देना चाहती है कि उसकी चुनावी तैयारी केवल उम्मीदवारों या नारों तक सीमित नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का माँ पाटेश्वरी देवीपाटन मंदिर में आगमन

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज जनपद के दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत माँ पाटेश्वरी देवीपाटन मंदिर में आगमन हो गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर द्वारा हेलीपैड पर पहुंचे, जहां जनप्रतिनिधिगण एवं डीएम, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे। मुख्यमंत्री के जनपद प्रवास के दौरान सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं जिला प्रशासन द्वारा सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की गई हैं।

शहरी महाराष्ट्र में गर्भावस्था के दौरान भीषण गर्मी से नवजात शिशु पर बढ़ा खतरा: अध्ययन

मुंबई। एक नए अध्ययन के मुताबिक, गर्भावस्था के दौरान लंबे समय तक भीषण गर्मी रहने से बच्चे के जन्म पर बुरा असर पड़ सकता है। यह खतरा गाँवों की तुलना में शहरों में रहने वाली माताओं को थोड़ा अधिक है। महाराष्ट्र के लिए यह निष्कर्ष सीधे जुड़ा है। मुंबई, पुणे, नागपुर और नासिक वाला महाराष्ट्र भारत के सबसे ज्यादा शहरी राज्यों में से एक है। अध्ययन में पाया गया कि लगातार गर्मी और कम वजन वाले बच्चे के बीच का संबंध शहरी क्षेत्रों में रहने वाली माताओं में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में थोड़ा ज्यादा था, और दोनों जगह यह सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण था। सीमेंट-कंक्रीट वाले इलाके गर्मी को रोक कर रखते हैं। इसकी वजह से गर्भवती महिलाओं को रात में भी राहत नहीं मिल पाती, खासकर तब जब कूलिंग/ठंडक का खर्च उठाना मुश्किल हो।

इफेक्ट ऑफ एक्सट्रीम हीट स्ट्रेस ऑन एडवर्स प्रेगनेंसी आउटकम्स इन इंडिया शीर्षक वाले इस अध्ययन में 2015 से 2020 के बीच दर्ज 2,09,266 जन्मों का विश्लेषण किया गया। हर जन्म को मां की गर्भावस्था के दौरान स्थानीय गर्मी की स्थिति से मिलाया गया।औसत या सबसे अधिक तापमान पर निर्भर रहने के बजाय, शोधकताओं ने गिना कि एक महिला को लगातार कितने झुलसाने वाले दिन झेलने पड़े। झुलसाने वाला दिन उसे माना गया जिस दिन इंडिया हीट इंडेक्स उस इलाके की दीर्घकालिक जलवायु के 90वें प्रतिशत से ऊपर था।यह अध्ययन सहकर्मी-समीक्षित जर्नल एनवायरमेंटल रिसर्च कम्युनिकेशन में प्रकाशित हुआ है।

अध्ययन में पाया गया कि (2,500 ग्राम) से कम वजन वाले बच्चे के जन्म का खतरा गर्भावस्था के दौरान पड़ने वाले हर भीषण गर्मी वाले दिन के साथ लगभग 1 प्रतिशत बढ़ जाता है। यह निष्कर्ष अन्य सभी प्रमुख कारणों को ध्यान में रखने के बाद भी सामने आया।

यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड-आईआईटी दिल्ली एकेडमी ऑफ रिसर्च के नेतृत्व में किया गया। इसमें आईआईटी दिल्ली, यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड, यूएनएसडब्ल्यू सिडनी, यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर और कोरिया यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने भी भाग लिया। अध्ययन की प्रमुख लेखिका और यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड-आईआईटी दिल्ली एकेडमी ऑफ रिसर्च की शोधकर्ता विनीथा विन्सेंट ने कहा, गर्भावस्था के दौरान भीषण गर्मी को सामान्य स्थिति मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हमारे अध्ययन से पता चला है कि अत्यधिक गर्मी का हर अतिरिक्त दिन नवजात शिशु के लिए खतरा बढ़ा देता है। इसका सबसे ज्यादा असर उन गर्भवती महिलाओं पर पड़ता है, जो पहले से ही कमजोर या वंचित परिस्थितियों में रह रही हैं। जैसे-जैसे हीट वेव की अवधि बढ़ रही है, वैसे-वैसे गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा को भारत की जलवायु और स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का अहम हिस्सा बनाना होगा।

नेटफ्लिक्स ने ऑपरेशन सफेद सागर का दमदार ट्रेलर जारी किया

मुंबई। साल 1999 की गर्मियों में कारगिल युद्ध अपने चरम पर था। पाकिस्तान की सेना ने ऊंचे और बेहद कठिन पहाड़ी इलाकों में कई महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। ऐसे मुश्किल समय में भारतीय सेना के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई थी। जैसे-जैसे युद्ध की स्थिति गंभीर होती गई, भारतीय वायु सेना को भी इस इस मिशन में मदद के लिए आगे बुलाया गया। वास्तविक घटनाओं पर आधारित इसी अध्याय से ऑपरेशन सफेद सागर की शुरूआत हुई। यह एक ऐतिहासिक और बेहद ऊंचाई वाले क्षेत्र में चलाया गया हवाई अभियान था, जिसने पूरे युद्ध की दिशा बदलने में अहम भूमिका निभाई और भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय साबित हुआ। यह दुनिया का सबसे ऊंचाई पर किया गया हवाई अभियान था। आज नेटफ्लिक्स ने अपनी भव्य सैन्य ड्रामा सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर का ट्रेलर जारी किया। यह सीरीज कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना की अहम भूमिका से जुड़ी एक सच्ची घटना पर आधारित है। इसमें गोल्डन एरोज स्क्वॉड्रन की अब तक सामने न आई कहानी दिखाई गई है। इस स्क्वॉड्रन के साथ भारतीय वायु सेना, नौसेना और थल सेना के कई जवानों ने देश की सेवा के लिए बहादुरी से इस मिशन को पूरा किया था। इस सीरीज का निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इसे अभिजीत सिंह परमार और कुशल श्रीवास्तव ने बनाया है। इस सीरीज का निर्माण मैचबॉक्स शॉट्स एलएलपी के संजय रौत्रे और सरिता पाटिल तथा फील गुड फिल्म्स के मेहबूब पाल सिंह बराड़ ने किया है। सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दिया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्नव भसीन और अमृता बागची मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज के लिए गहराई से रिसर्च किया गया है। भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारियों से सीधे बातचीत कर महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई है। सीरीज की शूटिंग भारतीय वायु सेना के वास्तविक ऑपरेशनल बेस पर की गई है। इसके अलावा असली वायु सेना के विमानों और अन्य सुविधाओं का इस्तेमाल करने का मौका भी मिला। ऊंचे पहाड़ी इलाकों में कठिन परिस्थितियों में शूटिंग करके इस सीरीज में मिशन की विशालता, चुनौती और रोमांच को बेहद वास्तविक तरीके से दिखाने की कोशिश की गई है। इस कहानी के केंद्र में गोल्डन एरोज स्क्वॉड्रन और भारत के युवा फाइटर पायलट की टीम हैं। इस स्क्वॉड्रन का नेतृत्व विंग कमांडर बी. एस. धनोआ 'टोनी' (जिमी शेरगिल) करते हैं, जबकि स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा (सिद्धार्थ) उनका साथ देते हैं। इस कहानी को पर्दे पर लाने के अनुभव को साझा करते हुए ह्यऑपरेशन सफेद सागर के निर्देशक ओनी सेन ने कहा, शुरूआत से ही हमारा प्रयास था कि हम ऑपरेशन सफेद सागर की कहानी को पूरी ईमानदारी, बड़े स्तर और भावनाओं की सच्चाई के साथ के सामने पेश करें। यह मिशन जितना ऐतिहासिक है, उतने ही प्रेरणादायक इसमें शामिल पायलट, अधिकारी और उनके परिवार भी हैं।

एमसी फाउंडेशन ने भारत में ऊर्जा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 12.5 करोड़ की ग्रैंड ब्यूटेनॉल चैलेंज की शुरूआत की

मुंबई। भारत के ऊर्जा नवाचार मंच एमसी फाउंडेशन ने 17 जुलाई को बेंगलुरु में ग्रैंड ब्यूटेनॉल चैलेंज का शुभारंभ किया। यह एक राष्ट्रीय नवाचार कार्यक्रम है, जिसके तहत भारत में स्वदेशी बायो-ब्यूटेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ?12.5 करोड़ तक की पुरस्कार एवं अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। एमसी फाउंडेशन का संचालन पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संरक्षण में किया जाता है तथा इसे भारत की सात प्रमुख ऊर्जा कंपनियों–हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), गेल (इंडिया) लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड और पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड–का समर्थन प्राप्त है। इस फाउंडेशन की स्थापना भारत के ऊर्जा एवं औद्योगिक क्षेत्रों में डीप-टेक नवाचार को बढ़ावा देने, स्वदेशी स्टार्टअप्स और नवाचारकताओं को अनुदान, पायलट परियोजनाओं तथा सार्वजनिक उपक्रमों के माध्यम से बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। इस चुनौती के लिए एमसी+ ने सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर प्लेटफॉर्म्स के साथ कार्यान्वयन एवं मेंटरशिप साझेदार के रूप में सहयोग किया है, जिससे भारत के जैव-प्रौद्योगिकी नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ा जा सके। ग्रैंड ब्यूटेनॉल चैलेंज के तहत 5 करोड़ तक की पुरस्कार राशि और 7.5 करोड़ तक की अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अंतर्गत ल्ल-ब्यूटेनॉल और आइसो-ब्यूटेनॉल के फर्मेंटेशन आधारित, कैटेलिटिक तथा अन्य नवाचारी उत्पादन मार्गों से संबंधित प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। यह कार्यक्रम टेक्नोलॉजी रेडीनेस लेवल (TRL) 4–7 की प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है, जिनमें गैर-खाद्य फीडस्टॉक से सूक्ष्मजीवी उत्पादन, कम ऊर्जा वाली पृथक्करण तकनीक, जैव-आधारित सीटेन इम्प्रूवर्स तथा फील्ड में उपयोग योग्य गुणवत्ता परीक्षण उपकरण शामिल हैं।

Zee 5 ने सात भाषाओं में अपनी अब तक की सबसे व्यापक बहुभाषी स्लेट पेश की

ठाणे/नवी मुंबई। मनोरंजन सिर्फ ट्रेंड्स का अनुसरण करते हुए आगे नहीं बढ़ता। वह खुद नए ट्रेंड्स बनाकर आगे बढ़ता है। भारत के सबसे बड़े स्वदेशी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, Zee 5 ने नई पीढ़ी के दर्शकों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई कहानियां, रचनाकारों और फॉर्मेट्स के अपने अब तक के सब से महत्वाकांक्षी बहुभाषी प्रदर्शन की प्रस्तुति की है। हिन्दी, तमिल, तेलुगु, मराठी, मलयालम, कन्नड़ और बांग्ला भाषा में फैला यह मंच मूवीज, सीरीज, लाइव स्पोर्ट्स, एआई संचालित स्टोरीटेलिंग, एनिमेशन और किड्स एंटरटेनमेंट के व्यापक लाइन अप को एक जगह लाता है।

मनोरंजन निडर, सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा हुआ और अनदेखा नहीं किया जा सके ऐसा होना चाहिए, इस दृढ़ विश्वास पर बनी यह नई स्लेट Zee 5 का दीर्घकालिक विजन दशार्ती है, जिसका उद्देश्य ऐसी कहानियाँ रचना है जो केवल मनोरंजन करने के बजाय संवाद शुरू करें, संस्कृति को गढ़ें और भाषाओं तथा सीमाओं के पार पहुँचें। प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजीस और प्रीमियम ओरिजिनल्स से लेकर नए फॉर्मेट्स बनाने तक, Zee 5 भारत और दुनिया भर के दर्शकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और गहरा करने के साथ-साथ स्टोरीटेलिंग की सीमाओं का विस्तार करना जारी रख रहा है। इस अवसर पर Zee 5 के बिजनेस हेड तेजकरण सिंह बजाज ने कहा, Zee 5 पर हम केवल मनोरंजन क्षेत्र का अनुसरण करने में विश्वास नहीं रखते, हम इसे नया आकार देने में विश्वास करते हैं। हम जो भी कहानी कहते हैं वह एक सरल फिलॉसफी से प्रेरित होती है: साहसिक प्रोजेक्ट्स का समर्थन करना, हटकर विचारों को बढ़ावा देना और ऐसे अनुभव रचना जो दर्शकों को अन्यत्र कहीं नहीं मिल सकें। सात भाषाओं में मूवीज, सीरीज, लाइव स्पोर्ट्स, एआई संचालित स्टोरीटेलिंग, एनिमेशन और किड्स कंटेंट के माध्यम से भारत के कुछ सबसे प्रसिद्ध फिल्ममेकर्स, प्रोडक्शन हाउसेज और कलाकारों को एक साथ लाने वाली हमारी यह स्लेट हमारे इरादे की अब तक की सबसे बड़ी घोषणा है। हालांकि यह हमारे ट्रांसफॉर्मेशन का केवल एक हिस्सा है। हम बोल्ड कंटेंट विजन के साथ भारतीय दर्शकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए स्मार्टर टेक्नोलॉजी, बेहतर प्रोडक्ट एक्सपीरियंस और अधिक वैयक्तिकरण (डीपर पर्सनलाइजेशन) के साथ भविष्योन्मुखी (फ्यूचर-रेडी) एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म बना रहे हैं।

Zee 5 के चीफ कंटेंट ऑफिसर राघवेंद्र हुन्सूर ने कहा, स्लेट के लिए हर टाइटल को एक विशेष उद्देश्य से चुना गया है। हमारे लिए अच्छे कंटेंट का मतलब सिर्फ कंटेंट की मात्रा बढ़ाना नहीं है, बल्कि ऐसी कहानियों को प्रोत्साहित करना है जो दर्शकों के साथ अर्थपूर्ण तरीके से जुड़ें। भारत के दर्शक अब विभिन्न भाषाओं, जॉनर (प्रकार) और फॉर्मेट्स के बीच बहुत सहजता से मूव करते हैं और हमारी कंटेंट स्ट्रेटेजी उसी बदलाव को प्रतिबिंबित करने के लिए बनाई गई है। यह स्लेट ऐसी कहानियों को एक साथ लाती है जो दर्शकों की विविध अपेक्षाओं को संतुष्ट करती हैं।

राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का आगमन दुद्धी में,विभिन्न कार्यक्रम के लेंगे हिस्सा

दुद्धी , सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर 21 व 22 जुलाई को सोनभद्र आएंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार मंत्री 22 जुलाई को दुद्धी व अमवार क्षेत्र का दौरा करेंगे। इस दौरान कनहर सिंचाई परियोजना से निकलने वाली नहरों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करने के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार 21 जुलाई को शाम 6:30 बजे डाला स्थित गेस्ट हाउस पहुंचने के बाद राज्य मंत्री विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे तथा डाला में ही रात्रि विश्राम करेंगे। 22 जुलाई को सुबह 8 बजे डाला से प्रस्थान कर 9:15 बजे अमवार गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। यहां सुबह 9:30 बजे निमार्णाधीन कनहर बांध से निकलने वाली नहर परियोजनाओं की प्रगति की सिंचाई विभाग एवं संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा करेंगे। बैठक में नहर निर्माण की वर्तमान स्थिति, कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा समयबद्ध ढंग से परियोजना पूर्ण कराने पर चर्चा होगी। इसके बाद राज्य मंत्री सुबह 10:45 बजे दुद्धी स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंचेंगे, जहां 11:30 बजे तक तहसील स्तरीय अधिकारियों, ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से मुलाकात करेंगे। इसके उपरांत 11:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं, कानून-व्यवस्था, समन्वय समिति एवं कोर कमेटी की समीक्षा बैठक करेंगे। इस दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति तथा क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर भी चर्चा होगी। दोपहर 1:10 बजे राज्य मंत्री कृषि मंडी परिसर, दुद्धी पहुंचेंगे, जहां भाजपा द्वारा आयोजित विधानसभा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। सम्मेलन के बाद दोपहर 2:10 बजे से 2:25 बजे तक कृषि मंडी परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। दोपहर 2:30 बजे भोजनावकाश के बाद 3 बजे वाराणसी के लिए रवाना होंगे।राज्य मंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

किआ कैरेंस फैमिली ने भारत में 3 लाख बिक्री का आंकड़ा पार किया

मुंबई। देश की प्रमुख मास-प्रिमियम ऑटोमोबाइल कंपनियों में शामिल किआ इंडिया ने घोषणा की है कि उसकी किआ कैरेंस फैमिली ने भारत में कुल 3 लाख वाहनों की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी के अनुसार, किआ कैरेंस ने भारतीय परिवारों की बदलती जरूरतों और पसंद के अनुरूप लगातार खुद को बेहतर बनाते हुए किआ इंडिया के प्रमुख मॉडलों में अपनी जगह बनाई है। ग्राहकों से मिले फीडबैक और वास्तविक उपयोग के अनुभवों के आधार पर कंपनी ने समय-समय पर सुरक्षा, तकनीक, आराम, सुविधा और डिजाइन में कई सुधार किए हैं। किआ का कहना है कि ग्राहकों को प्राथमिकता देने की इसी रणनीति ने कैरेंस को फैमिली मोबिलिटी सेगमेंट में लगातार प्रासंगिक बनाए रखा है और इस श्रेणी में नए मानक स्थापित करने में मदद की है। कैरेंस की सफलता के बाद किआ ने अपने लाइनअप का विस्तार करते हुए कैरेंस क्लैविस और कैरेंस क्लैविस ईवी को पेश किया। कंपनी के अनुसार, इन दोनों मॉडलों को ग्राहकों की प्रीमियम फीचर्स और भविष्य के अनुरूप मोबिलिटी समाधानों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। कैरेंस क्लैविस बेहतर डिजाइन, एडवांस टेक्नोलॉजी, उन्नत सुरक्षा और अधिक आराम के साथ प्रीमियम फैमिली मोबिलिटी का अनुभव देती है।

अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सपा का धरना, न्यायिक जांच और कार्रवाई की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को समाजवादी पार्टी जौनपुर इकाई ने जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पर छात्र हितों के समर्थन में पहुंचने के दौरान अखिलेश यादव की गिरफ्तारी का विरोध जताया। धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की लोकतांत्रिक मांगों का समर्थन करने वाले विपक्ष के नेता की गिरफ्तारी लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज और मारपीट की न्यायिक जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सपा नेताओं ने मांग की कि अखिलेश यादव को तत्काल रिहा किया जाए, छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। पार्टी नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक समाजवादी पार्टी का लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह जानकारी समाजवादी पार्टी जौनपुर के जिला महासचिव आरिफ हबीब द्वारा जारी की गई।

Zee5 मराठी की नई सीरीज अगं आई आहो आई में हृता दुगुर्ले

ठाणे/नवी मुंबई। मराठी Zee5 ने अपनी आगामी ओरिजिनल सीरीज अगं आई अहो आई का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया। यह एक भावनात्मक और दिल को छू लेने वाला पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें हृता दुगुर्ले, रेणुका शहाणे और निर्मिति सावंत मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। वरुण नारवेकर द्वारा निर्देशित, कल्याणी पंडित द्वारा लिखित और जियो स्टूडियोज, बहावा एंटरटेनमेंट और प्रतिसाद प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह सीरीज एक भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी है, जो एक बेटी, उसकी मां और उसकी सास के बीच के अनोखे रिश्ते को दशार्ती है। यह साबित करती है कि जब परिवार साथ आते हैं, तो प्यार और भी बढ़ जाता है। यह ओरिजिनल सीरीज 24 जुलाई 2026 से केवल मराठी Zee 5पर विशेष रूप से स्ट्रीम होगी।

अगं आई आहो आई एक भावनात्मक पारिवारिक ड्रामा सीरीज है, जो रिश.तों, अपनेपन और इंसानी जुड़ाव की ताकत को खूबसूरती से दशार्ती है। पुणे और कोल्हापुर की अलग-अलग संस्कृतियों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज एक नवविवाहिता महिला की कहानी है, जो एक नए परिवार में अपनी जगह बनाने की कोशिश करती है। इस सफर में वह बदलते रिश्तों और भावनाओं से जुड़े कई पड़ावों का सामना करती है। शादी के बाद अक्सर एक बेटी के मन में एक अनकही दुविधा होती है–अपनी मां के साथ रिश्ते को बनाए रखना और साथ ही जीवन में आई नई मां जैसी शख्सियत को अपनाना। अगं आई आहो आई इस रिश्ते को एक नए और खूबसूरत नजरिए से पेश करती है। यह सीरीज रिश्तों में प्रतिस्पर्धा, उम्मीदों या किसी एक को चुनने की मजबूरी की जगह यह दिखाती है कि एक महिला को अपनी मां और सास में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं होती। अपनी मां और सास के बीच बने प्यार और सहयोग भरे रिश्ते के साथ, वह महसूस करती है कि उसने अपनी मां को खोया नहीं, बल्कि उसे एक और मां का प्यार मिला है। अपने सहज किरदारों और दिल को छू लेने वाले पलों के जरिए यह शो दिखाता है कि सहानुभूति, भरोसा और समझदारी कैसे लोगों को करीब ला सकती है और एक घर को सच्चे मायनों में परिवार बना सकती है। जी मराठी की चीफ चैनल ऑफि सर और मराठी Zee5 की बिजनेस हेड, हेमा वी.आर. ने कहा, मराठी Zee 5 में हमारा मानना है कि सबसे प्रभावशाली कहानियां वही होती हैं, जो बदलती वास्तविकताओं को दशार्ती हैं। हे काय नवीन? के लिए वरुण नार्वेकर के साथ हमारी सफल साझेदारी के बाद, हमें खुशी है कि हम एक बार फिर ऐसे रचनाकार के साथ जुड़ रहे हैं, जो मराठी दर्शकों की भावनाओं और सोच को बेहतर तरीके से समझते हैं। अगं आई आहो आई सिर्फ एक पारिवारिक ड्रामा नहीं है, बल्कि यह उन रिश्तों का उत्सव है, जो पुरानी धारणाओं और रूढ़ियों से आगे बढ़कर नए रूप में विकसित होते हैं। यह एक दिल को छू लेने वाली कहानी है, जो सहानुभूति, विश्वास और आपसी सम्मान के नजरिए से सास और बहू के रिश्ते को एक नया रूप देती है।

गुणात्मक परंपरा अभियान से आशीर्वाद ने विश्वकर्मा महाराणा समुदाय को किया सम्मानित

मुजफ्फरपुर। पुरी रथ यात्रा से अपने लंबे जुड़ाव को आगे बढ़ाते हुए आशीर्वाद ने 'गुणात्मक परंपरा' अभियान की शुरूआत की है। यह पहल भगवान जगन्नाथ के पवित्र रथ का निर्माण करने वाले विश्वकर्मा महाराणा समुदाय की कारीगरी और सदियों पुरानी परंपरा को सम्मान देती है। अभियान शिल्पकला की विरासत और आशीर्वाद के 'क्वालिटी की गारंटी' के वादे को जोड़ता है। ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित इस अनुभव में रथ निर्माण की प्रक्रिया और रथ के पहिये तथा पारंपरिक पत्थर की चक्की के बीच प्रतीकात्मक संबंध को दशार्या गया है। इस विशेष अनुभव का उद्घाटन ओड़िया अभिनेत्री एलिना सामंतराय की मौजूदगी में हुआ।

सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज के विजेताओं की घोषणा

मुंबई। हमेशा से ही श्रद्धालुओं की आस्था और आकर्षण का केंद्र रहे बनारस के पुराने शहर में भक्तों की लगातार बढ़ती भीड़ के कुशल प्रबंधन, पैदल चलने की स्थितियों को बेहतर बनाने, गंतव्यों तक श्रद्धालुओं और आम लोगों की पहुंच को बेहतर बनाने के लिये इनोवेटिव मोबिलिटी और कुशल भीड़ प्रबंधन के सर्वोत्तम सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किये गये सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज वाराणसी के विजेताओं के नामों की घोषणा कर दी गयी है। वाराणसी नगर निगम के नेतृत्व में टोयोटा मोबिलिटी फाउंडेशन (टीएमएफ), चैलेंज वर्क्स और डब्ल्यू आर आई इंडिया के सहयोग से शुरू किये गये सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज में सिटीडेटा.एआई और निप्पोन कोए के सिटीफ़्लो तथा द अर्बनाइजर के जनजात्रा को विजेता के तौर पर चुना गया है। इन विजेताओं को काशी में अपने समाधानों को आगे बढ़ाने के लिये वित्तीय और परामर्शी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा वोजिक एआई के बेहतर वे और प्रमेया कंसल्टिंग के नयी चाल को वाराणसी में अधिक समावेशी और दक्षतापूर्ण मोबिलिटी सुनिश्चित करने की दिशा में अपने योगदान के लिये ऑनरेबल मेंशंस के तौर पर मान्यता दी गयी है।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा भी शामिल हुए। उन्होंने 'सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज' की इस पूरी प्रक्रिया के दौरान सामने आए इनोवेटिव समाधानों को व्यापक स्तर पर लागू किए जाने की आशा व्यक्त की और काशी में इनके प्रभाव को लेकर आशान्वित दिखे। वाराणसी की धरोहर माने जाने वाले घनी आबादी वाले क्षेत्रों से लाखों तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और आम लोगों की मुश्किल भरी आवाजाही को ध्यान में रखते हुए तैयार किये गये ये समाधान दरअसल उन्नत तकनीक और मानव-केंद्रित डिजायन मिलकर आवागमन को बेहतर और सुरक्षित बनाते हैं तथा अधिक सक्रिय भीड़ प्रबंधन में मदद करते हैं। टोयोटा मोबिलिटी फाउंडेशन के एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम डायरेक्टर प्रसन्ना गणेश ने कहा, सम्मानित इनोवेटर्स ने वाराणसी की चुनौतियों को अवसरों में बदलकर शहर के अधिकारियों को भीड़-भाड़ प्रबंधन में मदद की है, जिससे निवासियों और पर्यटकों का सफर आसान, सुरक्षित व सुविधाजनक हुआ है। टोयोटा मोबिलिटी फाउंडेशन में हमारा ध्यान ऐसे व्यावहारिक इनोवेशन्स पर है जो टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी और सहयोग को जोड़कर जीवन की गुणवत्ता सुधारें और सभी के लिए मोबिलिटी सुनिश्चित करें।